राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 232 | जौनपुर | शनिवार, 12 अप्रैल 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

विकसित भारत के संकल्प विषय पर संगोष्ठी का सफल आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मोहम्मद हसन पी.जी. कॉलेज के सौदागर हॉल में शनिवार षविकसित भारत के संकल्पष विषय पर प्रेरणादायक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें युवाओं की भूमिका को राष्ट्र निर्माण की मूल शक्ति के रूप में रेखांकित किया गया। मुख्य अतिथि महाराष्ट्र के विधान परिषद सदस्य एवं भाजपा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजहंस सिंह ने युवाओं को देश की प्रगति का मेरुदंड बताते हुए कहा, युवा शक्ति ही राष्ट्र निर्माण की असली ताकत है। उन्होंने कहा कि यदि युवा शिक्षा, नवाचार, तकनीक और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ें तो भारत को विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता।

यूपी की मिट्टी की खुशबू अब सरहदों के पार जाएगी- पीएम मोदी

वाराणसी , (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को काशी पहुंचे। यहां बाबतपुर एयरपोर्ट से हेलिकॉप्टर से मेंहदीगंज स्थित जनसभा स्थल पहुंचे। पीएम ने 39 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने तीन बुजुर्गों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए। इसके अलावा 21 उत्पादों को जीआई टैग दिया गया। पीएम ने इस दौरान जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी हुनर अब तेजी से विश्व स्तर पर पहचान बन रही है। यूपी जीआई टैग में देश में नंबर वन पर है। जीआई टैग पहचान का नया पासपोर्ट है। यह बताता है यह उत्पाद इस जमीन की पैदाइश है। यूपी की मिट्टी में जो खुशबू है वह केवल हवा में नहीं सरहदों के पार भी जाएगी। कहा कि यूपी अब संभावनाओं का नहीं सामर्थ और सिद्धियों की भूमि बन रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने बाबतपुर एयरपोर्ट पर मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा, पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल और डीएम एस राजलिंग से मुलाकात की। पीएम ने सामूहिक दुष्कर्म मामले की जानकारी लेते हुए मामले में आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। पीएम ने कहा हम देश की सेवा का मंत्र लेकर आए हैं। जो लोग सत्ता पाने के लिए दिन रात खेल खेलते रहते हैं उनका सिद्धांत है परिवार का साथ परिवार का विकास। हमारा मंत्र सबका साथ सबका विकास है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। दस साल में उत्पादन में 65 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने लखपति दीदी योजना को लेकर कहा कि हमारी मेहनतकश बहनों को विशेष बधाई देता हूं। इन बहनों ने बता दिया है, अगर भरोसा किया जाए तो वह भरोसा नया इतिहास रच देता है। पूरे पूर्वांचल के लिए नई मिसाल बन चुकी हैं। पीएम ने कहा कि जब आपने तीसरी बार आशीर्वाद दिया, तब हमने भी आपको सेवक के रूप में स्नेह स्वरूप अपने कर्तव्यों को निभाया है। लौटाने का प्रयास किया है। वाराणसी में 50 हजार वय वंदना कार्ड पहुंच गया है, यह आंकड़ा नहीं। नम्र प्रयास है। वहीं उन्होंने आयुष्मान योजना को लेकर कहा कि अब इलाज के लिए जमीन बेचने या कर्ज लेने की मजबूरी नहीं है। दर– दर भटकने की जरूरत नहीं है। आयुष्मान कार्ड से मरीजों का इलाज निशुल्क हो जाएगा। पीएम मोदी ने कहा सामाजिक चेतना के प्रति महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती भी है। महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले जी ने जीवन भर नारी शक्ति के ही आत्मविश्वास और समाज कल्याण के लिए संकल्पित रहे। उनके विचारों को, उनके संकल्पना को नारी सशक्तिकरण के उनके आंदोलन को आगे बढ़ा रहे हैं।

नड्डा ओडिशा में आयुष्मान भारत योजना का उद्घाटन करेंगे

ओडिशा, (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा शुक्रवार को ओडिशा का दो दिवसीय दौरा शुरू करेंगे और इस दौरान वह राज्य में आयुष्मान भारत योजना का उद्घाटन करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल ने बताया कि नड्डा अपराह्न करीब एक बजे राज्य की राजधानी भुवनेश्वर पहुंचेंगे, जिसके बाद वह मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के साथ एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कटक जाएंगे, जहां आयुष्मान भारत योजना, आयुष्मान वयो–वंदना योजना और राज्य की गोपबंधु जन आरोग्य योजना (जीजेएवाई) का आधिकारिक रूप से उद्घाटन किया जाएगा।

सामल ने कहा कि इन स्वास्थ्य बीमा योजनाओं से लगभग साढ़े तीन करोड़ लोगों के लाभान्वित होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय मंत्री कटक में सरदार वल्लभभाई पटेल स्नातकोत्तर बाल चिकित्सा संस्थान के नए भवन का भी उद्घाटन करेंगे। नड्डा के कार्यक्रम में भुवनेश्वर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईपीईटी) का दौरा भी शामिल है। शनिवार सुबह नड्डा पुरी में भाजपा के सांसदों और विधायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का औपचारिक रूप से उद्घाटन करेंगे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, कटक में होने वाले उद्घाटन समारोह में उपमुख्यमंत्री के. वी. सिंह देव और पार्वती परिदा के साथ राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग भी शामिल होंगे।

संक्षिप्त समाचार

स्लोवाकिया ने भारतीय समुदाय की कड़ी मेहनत को दी मान्यता – राष्ट्रपति मुर्मू

ब्रातिस्लावा , (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत–स्लोवाकिया संबंधों को मजबूत बनाने में भारतीय समुदाय के योगदान की सराहना की। उन्होंने गुरुवार को ब्रातिस्लावा में आयोजित सामुदायिक स्वागत समारोह में यह बात कही। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, ष्स्लोवाक नेताओं के साथ बातचीत में मुझे यह सुनकर खुशी हुई कि उन्होंने भारतीय समुदाय की कड़ी मेहनत को मान्यता दी। स्लोवाकिया के विकास और प्रगति में भारतीय समुदाय के बहुमूल्य योगदान के प्रति बहुत सम्मान की भावना रही है। उन्होंने भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा, ष्यह देखकर खुशी होती है कि भारत की विरासत और परंपराएं हमारे स्लोवाक मित्रों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। योग और आयुर्वेद से लेकर भारतीय व्यंजनों तक, स्लोवाकिया में भारतीय संस्कृति के प्रति प्रेम दोनों देशों के लोगों के बीच बढ़ते मजबूत संबंधों का प्रमाण है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि उपनिषदों का स्लोवाक भाषा में अनुवाद यहां के लोगों को भारत की प्राचीन शिक्षाओं से जुड़ने का एक और अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय संस्कृति के प्रतिनिधि ा के रूप में भारतीय समुदाय की भूमिका भारत–स्लोवाकिया संबंधों को मजबूत करने में अमूल्य है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के अपने राजदूत हैं जो दोनों देशों को जोड़ने के लिए पुल का काम करते हैं। लेकिन भारतीय समुदाय भी उन राजदूतों में से एक है क्योंकि वे भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं भारत को गौरव दिलाते हैं और बढ़ाते हैं। गुरुवार को, राष्ट्रपति मुर्मू और स्लोवाकिया के प्रेसिडेंट पीटर पेलेग्रिनी ने संयुक्त रूप से स्लोवाकिया के नित्रा के सिहोट स्थित सिटी पार्क में स्लोवाकिया के राष्ट्रीय वृक्ष लिंडेन को लगाया। राष्ट्रपति मुर्मू की स्लोवाकिया की दो दिवसीय यात्रा इस बात का संकेत देती है कि भारत स्लोवाक गणराज्य के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को कितना महत्व देता है। इससे रक्षा, विज्ञान, टेक्नोलॉजी, शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में गहन सहयोग और नई पहलों के शुरू होने की उम्मीद है।

2011 से ही पीएम मोदी के निशाने पर था तहव्वुर राणा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण के बाद प्रधानमंत्री मोदी का साल 2011 का एक पुराना ट्वीट वायरल हो गया है। दरअसल उस ट्वीट में पीएम मोदी ने तत्कालीन यूपीए पर निशाना साधा था। दरअसल उस समय अमेरिका ने तहव्वुर राणा को मुबंई हमले के आरोप से मुक्त कर दिया था। इस पर पीएम मोदी ने इसे सरकार की विदेश नीति की असफलता बताया था। अब जब तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण सफल हो गया है तो पीएम मोदी का वह पुराना ट्वीट वायरल हो रहा है। पीएम मोदी ने उस ट्वीट में लिखा था कि श्अमेरिका ने मुंबई हमले के मामले में तहव्वुर राणा को निर्दोष घोषित कर दिया है। यह भारत की संप्रभुता के लिए शर्मनाक बात है और यह भारत की विदेश नीति को बड़ा झटका है।श कई यूजर्स ने तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित किए जाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया। गौरतलब है कि लंबी कानूनी लड़ाई के बाद तहव्वुर राणा को लेकर एनआईए की एक विशेष टीम गुरुवार को दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर उतरी। एयरपोर्ट पहुंचते ही तहव्वुर राणा को हिरासत में ले लिया गया। इसे भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत बताया जा रहा है। तहव्वुर राणा के बाद भारत प्रत्यर्पण के बाद राजनीतिक पार्टियों ने इसका श्रेय लेने की होड़ लग गई है। कांग्रेस का कहना है कि तहव्वुर राणा को भारत लाने की प्रक्रिया की शुरुआत कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने की थी और इसे रणनीतिक रूप से आगे बढ़ाया। एनडीए सरकार ने इस मामले में कुछ नहीं किया और यह बस उस प्रक्रिया का फल है, जिसे यूपीए सरकार ने शुरू किया था। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मोदी सरकार की कूटनीति की जीत बताया। उन्होंने कहा कि शजिन्होंने भारत के सम्मान, भारत की जमीन और भारत के लोगों पर हमला किया, उन्हें मोदी सरकार न्याय के कटघरे में ला रही है।श अमित शाह ने पूर्व की यूपीए सरकार पर भी निशाना साधा और कहा कि यूपीए सरकार में ही मुंबई हमला हुआ था, लेकिन वे तहव्वुर राणा को भारत नहीं ला सके।

मुंबई हमले की जांच करेंगे एनआईए का सहयोग - सीएम फडणवीस

मुंबई , (एजेंसी)। हमले के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर मैं मुंबईकरों की ओर से पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं। एनआईए मामले की जांच कर रही है। हम जांच में एनआईए की पूरी मदद करेंगे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि 26/11 मुंबई हमलों के आरोपी और साजिशकर्ताओं में से एक तहव्वुर राणा को भारत लाया गया है। मैं मुंबईकरों की ओर से प्रधानमंत्री को धन्यवाद देता हूं कि साजिशकर्ता को भारतीय न्यायिक प्रणाली का सामना करने के लिए भारत लाया गया। कसाब को कानून के अनुसार फांसी दी गई, लेकिन साजिशकर्ता हमारी हिरासत में नहीं था। यह हमारे लिए एक बोझ था। उन्होंने कहा कि अब साजिशकर्ता एनआईए के पास है। वे मामले की जांच कर रहे हैं। अब एनआईए जांच और कानूनी प्रक्रियाओं के बारे में निर्णय लेगी। हमें जो भी जानकारी चाहिए, हम एनआईए से लेंगे। अगर उन्हें किसी सहायता की आवश्यकता होगी तो हम मुंबई पुलिस के माध्यम से पूरा सहयोग करेंगे। मुंबई हमलों को लेकर 2010 में दिग्विजय सिंह की ओर से की गई टिप्पणी पर सीएम फडणवीस ने कहा कि सबसे पहले मैं उन लोगों को जवाब नहीं देता जो बेवकूफों की तरह बोलते हैं। जब कसाब को फांसी दी गई और उसके बाद जब डेविड हेडली का बयान हमारी न्यायालय में दर्ज किया गया, तो यह पूरी तरह से स्पष्ट हो गया कि यह पूरी साजिश पाकिस्तान में रची गई थी। इसलिए जो लोग अन्य साजिश सिद्धांतों का प्रचार करते हैं, मैं उन्हें जवाब नहीं देना चाहता। अब मुख्य साजिशकर्ता हमारी हिरासत में है और अब और भी चीजें सामने आएंगी। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में सार्वजनिक परिवहन के लिए एकल कार्ड मुंबई 1 जल्द ही शुरू किया जाएगा। एकल कार्ड का उपयोग मेट्रो, मोनो रेल, उपनगरीय लोकल ट्रेनों और सार्वजनिक परिवहन बसों में यात्रा के लिए किया जा सकता है। कार्ड एक महीने में तैयार हो जाएगा। वहीं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मुंबई के लोकल नेटवर्क के लिए 238 नई एसी ट्रेनों को मंजूरी दी जाएगी। महाराष्ट्र में 1,73,804 करोड़ रुपये के रेलवे कार्य चल रहे हैं और इस वर्ष 23,778 करोड़ रुपये के नए कार्यों को मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि पूर्वी महाराष्ट्र में गोंदिया–बल्लारशाह रेलवे लाइन को मंजूरी दे दी गई है और इससे विदर्भ तथा पड़ोसी छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के बीच संपर्क बढ़ेगा। इस परियोजना में केंद्र सरकार की हिस्सेदारी 4,019 करोड़ रुपये होगी। फडणवीस ने घोषणा की कि छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट ट्रेन लाइन शुरू की जाएगी जो पर्यटकों को उन क्षेत्रों से होकर ले जाएगी जहां मराठा राज्य के संस्थापक के काल के किले स्थित हैं।

अमेरिका से व्यापार वार्ता पर विदेश मंत्री का दावा, कहा- चार साल पहले नहीं बनी थी बात, अब हम तैयार

नई दिल्ली , (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को लेकर भारत–अमेरिका के बीच हो रही व्यापार समझौता वार्ता पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बड़ा दावा किया। वैश्विक प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन (जीटीएस) में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि हम अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने जा रहे हैं। पहले भी हमने ट्रंप प्रशासन से चार साल तक बात की थी, लेकिन यह सौदा नहीं हो पाया था। मगर अब हम पूरी तरह से तैयार हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि एक महीने में अमेरिकी प्रशासन में काफी बदलाव हुए हैं। इस बीच हमने वैचारिक रूप से एक समझौता किया है कि हम एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता करेंगे। हम ऐसा समाधान खोजेंगे जो भारत–अमेरिका दोनों के लिए काम करेगा। यह एक खुली प्रक्रिया नहीं है क्योंकि यह सब व्यापार वार्ता से निराशा के कारण है। उन्होंने कहा कि हमने पहले ट्रंप प्रशासन से चार साल तक बातचीत की थी। मगर यह सौदा नहीं हो पाया था। मगर इस बार, हम निश्चित रूप से बहुत अधिक तत्परता से तैयार हैं। हम इस अवसर का लाभ उठाना चाहते हैं। हमारी व्यापार टीमें वास्तव में उत्साहित हैं। अतीत में हमारे बारे में शिकायत की गई थी कि हम ही वार्ता को धीमा करने वाले हैं। मगर आज यह उल्टा है। हम तीनों मामलों में उस तत्परता से आगे बढ़ रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका में पिछले साल में एक बड़ा बदलाव हुआ है। लेकिन एक और बदलाव हुआ है और यह एक विकास है। यह है चीन की उन्नति। वहां व्यापार की कहानी तकनीक की कहानी भी है। डीप सीक इनमें से एक था। मैं तर्क दूंगा कि चीन द्वारा किए गए परिवर्तन अमेरिकी स्थिति में बदलाव के समान ही हैं। इससे साफ है कि एक व्यक्ति कुछ हद तक दूसरे से प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका–चीन संबंधों के संबंध में हमारे अनुभव बहुत अलग हैं। हमने वास्तव में दोनों चरम सीमाओं को देखा है। स्वतंत्रता के बाद के पहले कुछ दशकों में अमेरिका और चीन के बीच बहुत तीखी प्रतिस्पर्धा थी और हम इसके बीच में फंस गए। इससे भी बदतर था अमेरिका और चीन के बीच गहरा सहयोग और इसका अंत गलत पर होना। इसमें से हमारे लिए कोई भी स्थिति नहीं है। यह एक तरह से गोल्डीलॉक्स समस्या की तरह है। एस जयशंकर ने कहा कि हम प्रतिस्पर्धा और मुकाबले के दौर की ओर बढ़ रहे हैं। विभिन्न देशों को इसके लिए योजना बनाने की आवश्यकता है। यह योजना बनाना भी बहुत कठिन होने जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि पहले हम यह कहते हुए क्षेत्रों को अलग कर सकते थे ।

शैव और वैष्णववाद पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर डीएके नेता पर बरसी भाजपा, पार्टी ने निकाला बाहर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तमिलनाडु के वन मंत्री और वरिष्ठ डीएमके नेता के पोनमुडी एक सार्वजनिक कार्यक्रम में अपने भाषण के कारण विवादों में आ गए, जिसमें उन्होंने हिंदू धार्मिक पहचान को यौन स्थितियों से जोड़ने वाली टिप्पणी की। कार्यक्रम के एक वायरल वीडियो में पोनमुडी को यह कहते हुए सुना जा सकता है, महिलाओं, कृपया गलत न समझें। वो एक चुटकुला सुनाते हैं जिसमें एक आदमी एक सेक्स वर्कर से मिलने जाता है, जो फिर उस आदमी से पूछती है कि वह शैव है या वैष्णव। जब आदमी को समझ में नहीं आता, तो

वह यह पूछकर स्पष्ट करती है कि क्या वह पट्टई (क्षैतिज तिलक, जो शैव ध ार्म से जुड़ा है) या नामम (लंबवत तिलक, जो वैष्णव धर्म से जुड़ा है) पहनता है। फिर वह समझाती है कि अगर वह शैव है, तो स्थिति लेटी हुई है। और अगर वैष्णव है, तो स्थिति खड़े होकर है। डीएमके सांसद कनिमोझी ने पोनमुडी के बयान की निंदा की। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा मंत्री पोनमुडी का हालिया भाषण अस्वीकार्य है। भाषण का कारण चाहे जो भी हो, ऐसी अभद्र टिप्पणी निंदनीय है। तमिलनाडु भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई ने मंत्री पोनमुडी की विवादास्पद टिप्पणी को लेकर डीएमके की आलोचना की और इसे पार्टी के राजनीतिक विमर्श का मानक बताया। अन्नामलाई ने लिखा।

यह पीएम मोदी के एक भारत-श्रेष्ठ भारत के दृष्टिकोण की जीत - अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि हुर्रियत से संबद्ध एक अन्य संगठन जम्मू–कश्मीर मास मूवमेंट ने अलगाववाद को खारिज कर दिया है और भारत की एकता के प्रति पूरी प्रतिबद्धता जताई है। शाह ने एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार के तहत जम्मू–कश्मीर में एकता की भावना व्याप्त है। उन्होंने आगे कहा कि हुर्रियत से जुड़े एक अन्य संगठन जम्मू–कश्मीर मास मूवमेंट ने अलगाववाद को खारिज करते हुए भारत की एकता के लिए पूरी प्रतिबद्धता जताई है। मैं उनके इस कदम का तहे दिल से स्वागत करता हूं। शाह ने दावा किया कि अब तक हुर्रियत से जुड़े 12 संगठन अलगाववाद से अलग हो चुके हैं और भारत के संविधान पर भरोसा जता रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत–श्रेष्ठ भारत के दृष्टिकोण की जीत है। इससे पहले अमित शाह ने मंगलवार को घोषणा की थी कि 'जम्मू–कश्मीर इस्लामिक पॉलिटिकल पार्टी', 'जम्मू–कश्मीर मुस्लिम

डेमोक्रेटिक लीग' और 'कश्मीर फ्रीडम फ्रंट' ने अलगाववादी समूह 'हुर्रियत कॉन्फ्रेंस' से खुद को अलग कर लिया है। शाह ने कहा कि यह कदम संवि ाान में लोगों के भरोसे को दर्शाता है। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब शाह तीन दिवसीय यात्रा पर जम्मू–कश्मीर में हैं। शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "'जम्मू–कश्मीर इस्लामिक पॉलिटिकल पार्टी', 'जम्मू–कश्मीर मुस्लिम डेमोक्रेटिक लीग' तथा 'कश्मीर फ्रीडम फ्रंट' नामक तीन और संगठनों ने हुर्रियत से खुद को अलग कर लिया है। यह घाटी के लोगों के भारत के संविधान में भरोसे को दर्शाता है।" गृह मंत्री ने कहा कि एकजुट एवं शक्तिशाली भारत को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृ ष्टिकोण आज और भी सुदृढ़ हुआ है तथा अब तक 11 संगठनों ने अलगाववाद को त्यागकर इस दृष्टिकोण के प्रति अटूट समर्थन दर्शाया है। पिछले महीने 'हुर्रियत कॉन्फ्रेंस' के कई घटकों ने अलगाववादी समूह से अलग होने की घोषणा की थी।

दिल्ली में नई एक्साइज पॉलिसी लाने की तैयारी में रेखा गुप्ता सरकार, इस बात पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली की भाजपा सरकार राजस्व बढ़ाने के लिए अन्य राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाते हुए एक नई पूर्णतया विश्वसनीय आबकारी नीति लेकर आएगी। उन्होंने कहा कि नीति पारदर्शी होगी और यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार की जाएगी कि इससे समाज में कोई समस्या पैदा न हो। इस साल फरवरी में आम आदमी पार्टी को हराकर भाजपा दिल्ली में सत्ता में आई थी। पिछली आप सरकार द्वारा लाई गई आबकारी नीति 2021–22 में कथित अनियमितताएं और भ्रष्टाचार भाजपा के लिए प्रमुख चुनावी मुद्दों में से एक था। आरोप सामने आने के बाद इस नीति को रद्द कर दिया गया। गुप्ता ने कहा कि हम एक नई, फुलप्रूफ नीति लाएंगे जो पारदर्शी हो और सरकार के लिए राजस्व पैदा करे। उन्होंने कहा कि नीति ऐसी होगी कि इससे लोगों और समाज को कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में आबकारी नीतियाँ ठीक चल रही हैं। हम अलग–अलग राज्यों की इन बेहतरीन आबकारी नीतियों का पालन करेंगे। आप ने नवंबर 2021 में पुरानी आबकारी नीति को बदल दिया और दिल्ली में शराब व्यापार में सुधार के उद्देश्य से नई नीति (2021–22) लागू की। हालाँकि, यह नीति अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों का शिकार हो गई। जुलाई 2022 में उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने नीति के निर्माण और कार्यान्वयन

में अनियमितताओं और नियमों के उल्लंघन के आरोपों की जांच के लिए सीबीआई जांच की सिफारिश की थी, जिसके तुरंत बाद आप सरकार ने इसे रद्द कर दिया। नीति के तहत, निजी खिलाड़ियों को थोक और खुदरा शराब संचालन संचालित करने की अनुमति दी गई थी। शराब की दुकानें निजी कंपनियों को सौंप दी गईं और सरकार ने कारोबार छोड़ दिया। आखिरकार, 31 अगस्त, 2022 को इस नीति को खत्म कर दिया गया और निजी शराब की दुकानें बंद कर दी गईं।

संपादकीय

ट्रंप का यू टर्न

कहा जाता है कि जिद्द के पक्के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आमतौर पर अपने फैसलों से पीछे नहीं हटते हैं। यदि ऐसा कोई कदम उठाते हैं तो उसे असामान्य बात ही कहा जाएगा। लेकिन हाल ही में उनके उस फैसले ने सबको चौंकाया है जिसमें उन्होंने भारत और यूरोपीय संघ के सदस्यों समेत दुनिया के साठ देशों के खिलाफ घोषित 'पारस्परिक टैरिफ' को नब्बे दिनों को टालने की घोषणा की है। बहरहाल, उनके इस अप्रत्याशित फैसले ने वैश्विक बाजारों को राहत दी है। जो यह दर्शाता है कि अड़ियल माने जाने वाले डोनाल्ड ट्रंप प्रतिकूल वैश्विक प्रतिक्रिया और घरेलू स्तर पर लगातार तेज होती असंतोष की आवाज से पूरी तरह से बेखबर नहीं हैं। वहीं दूसरी ओर ट्रंप ने चीन के खिलाफ टैरिफ बढ़ाने की रफ्तार तेज कर दी है। अमेरिका ने चीनी उत्पादों पर लगाये जाने वाले कर की दर को बढ़ाकर एक सौ पच्चीस कर दिया है। ऐसा लगता है कि चतुर सुजान ट्रंप को इस बात का अहसास हो गया है कि दुनिया के बहुत सारे देशों को नाराज करने की तुलना में एक मुख्य प्रतिद्वंद्वी पर निशाना केंद्रित करना अधिक सुरक्षित और समझदारी से भरा फैसला होता है। दरअसल, टैरिफ वॉर के बाद अमेरिका में शेयर बाजार जिस तेजी से ध्वस्त हुए हैं, उसके मद्देनजर उनके 'अमेरिका ग्रेट अगेन' के सपने को खतरा पैदा होने की आशंका पैदा हो गई है। तभी वह अपने टैरिफ थोपने के फैसले को कुछ दिनों के लिये आगे टाल रहे हैं। वैसे अभी भी यह अनुमान लगाना मुश्किल ही है कि उनकी यह नई समझदारी निरंतरता के साथ स्थायी होगी भी या नहीं। लेकिन अनिश्चय के दौर से गुजर रहे वैश्विक बाजार को कुछ समय के लिये राहत जरूर मिली है। जिसका असर दुनिया के शेयर बाजारों पर भी नजर आया है। जिससे मंदी की तरफ बढ़ रही दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं कुछ समय तक राहत की सांस ले सकती हैं। बहरहाल, भारत ने ट्रंप के द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ का तत्काल जवाब न देकर सकारात्मक पहल की है। ऐसा लगता है कि भारत ने ट्रंप के टैरिफ पर आक्रामक रुख अपनाने के बजाय इंतजार करने का फैसला करके समझदारी भरा कदम उठाया है। हालांकि, इस फैसले को लेकर विपक्षी आलोचना के स्वर भी सुनाए देते रहे हैं। दरअसल, दांव पर दोनों देशों के बीच होने वाला द्विपक्षीय समझौता भी है, जिस पर नई दिल्ली और वाशिंगटन काम कर रहे हैं। भारत का लक्ष्य है कि दोनों देशों के बीच व्यापार को ढाई गुना बढ़ाना है। भारत ने चतुराई से असहज स्थितियां पैदा करने वाले कारकों को टाला है। बहरहाल, हाल में मिली राहत के बीच यह सुनिश्चित करने के लिये निरंतर बातचीत की आवश्यकता होगी कि भारत को लंबे समय तक भारी टैरिफ का बोझ न उठाना पड़े। साथ ही भारतीय हितधारकों को अधिक नुकसान से भी बचाया जाना चाहिए। वहीं चीन ने अमेरिका द्वारा टैरिफ थोपे जाने के खिलाफ अंत तक व्यापार युद्ध लड़ने की कसम खाई है। उसने मौजूदा परिस्थितियों में अमेरिका विरोधी मोर्चा बनाने के लिये यूरोपीय संघ और आसियान के देशों से संपर्क साधा है। ऐसा लगता है कि चीन को इस बात का अहसास हो चला है कि टैरिफ युद्ध में वह अकेला ही अमेरिका का मुकाबला करने में सक्षम नहीं हो सकेगा। दिलचस्प बात यह है कि चीन भारत को संकेत दे रहा है कि दो सबसे बड़े विकासशील देशों को मौजूदा कठिनाइयों को दूर करने के लिये एक साथ खड़ा होना चाहिए।

अंतरिक्ष प्रवास तेज करता है बुढ़ापे की प्रक्रिया

मुकुल

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर विवशतावश नौ महीने बिताने के बाद नासा के अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स सकुशल लौट आए लेकिन धरती पर लौटने पर जब वे अपने क्रू ड्रैगन कैप्सूल से बाहर निकले तो उन्हें व्हीलचेयर पर रखा गया। दोनों अंतरिक्ष यात्री बहुत अच्छी सेहत में नहीं दिखे। आईएसएस पर शून्य–गुरुत्वाकर्षण के वातावरण में

रह कर उनकी मांसपेशियां कमजोर हो गईं और उनकी हड्डियों का घनत्व भी कम हो गया जिससे उनके लिए चलना या खड़ा होना भी मुश्किल हो गया। अंतरिक्ष यात्रियों की जोड़ी दुबली–पतली भी दिखाई दी। कुछ पर्यवेक्षकों ने पाया कि पिछले जून में अंतरिक्ष यात्रा पर निकलने के बाद से वे काफी बूढ़े हो गए हैं। वैसे नौ महीने का प्रवास अंतरिक्ष में बिताया गया सबसे लंबा समय नहीं है। यह रिकॉर्ड रूसी अंतरिक्ष यात्री वालेरी पोल्याकोव के नाम है, जिन्होंने 1990 के दशक में मीर अंतरिक्ष स्टेशन पर 14 महीने बिताए थे। फिर भी नौ महीने की अवधि उनके शरीर के लिए अंतरिक्ष के चरम वातावरण के सबसे बुरे प्रभावों का अनुभव करने के लिए पर्याप्त थी। अंतरिक्ष की 286–दिवसीय यात्रा के दौरान दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को किन–किन शारीरिक परिवर्तनों से गुजरना पड़ा होगा, इसका खुलासा उनके स्वास्थ्य की विस्तृत समीक्षा के बाद ही हो पाएगा। अंतरिक्ष में रहना मनुष्य के लिए सहज नहीं है। अध्ययनों से पता चला है कि अंतरिक्ष में लंबा प्रवास बुढ़ापे की प्रक्रिया को तेज करता है। गुरुत्वाकर्षण की कमी से हृदय और रक्त वाहिकाओं को कम काम करना पड़ता है,जिससे उनमें कमजोरी आ जाती है। अंतरिक्ष यात्रियों को सामान्य से ज्यादा तेज गति से हड्डियों के घनत्व में कमी, मांसपेशियों में क्षय और कोशिकीय परिवर्तन का भी अनुभव होता है। हड्डियों का घनत्व हर महीने 1–2 प्रतिशत तक कम हो जाता है, जिससे पृथ्वी पर लौटने पर ऑस्टियोपोरोसिस और फ्रैक्चर का जोखिम बढ़ जाता है। इन स्थितियों से निपटने में अंतरिक्ष यात्रियों की मदद करने के लिए आईएसएस विशेष ट्रेडमिल और व्यायाम बाइक से लैस है। पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण बलों की नकल करने के लिए खास तौर से डिजाइन किए गए रजिस्टेंस बैंड (व्यायाम उपकरण) भी हैं। ब्रह्मांडीय विकिरण के संपर्क में आने से डीएनए की क्षति के साथ 'ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस' भी हो सकता है, जिससे आणविक स्तर पर समय से पहले बुढ़ापा आ सकता है। ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस दरअसल पोषक तत्वों और अस्थिर अणुओं का असंतुलन है जो कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा कर रोग उत्पन्न करता है। गुरुत्वाकर्षण की अनुपस्थिति में शारीरिक द्रव भी सिर की ओर शिफ्ट हो जाता है, जिससे दृष्टि संबंधी तंत्रिका में सूजन और रेटिना में सिलवटें आ जाती हैं। आंख का पिछला हिस्सा चपटा हो जाता है और मस्तिष्क में सूजन आ जाती है। इससे स्पेसफ्लाइट–एसोसिएटेड न्यूरो–ऑकुलर सिंड्रोम नामक बीमारी के कारण दृष्टि बाधित हो सकती है। पृथ्वी पर लौटने के बाद मस्तिष्क और आंखों पर दबाव सामान्य स्तर पर वापस आ जाता है, हालांकि इससे होने वाली क्षति कभी–कभी स्थायी हो सकती है। दृष्टि क्षति लंबी अंतरिक्ष यात्रा के सबसे बड़े दुष्प्रभावों में से एक है। सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण और विकिरण भी श्वेत रक्त कोशिका उत्पादन को बदल सकते हैं, जिससे शरीर की वायरस और बैक्टीरिया से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है। हर्पीज और चिकनपॉक्स जैसे निष्क्रिय वायरस, आईएसएस पर प्रवास के दौरान तनाव और इम्यून सिस्टम के दमन के कारण फिर से सक्रिय हो सकते हैं। आईएसएस पर जाने से पहले अंतरिक्ष यात्रियों को क्वारंटीन अवधि से गुजरना पड़ता है। इसका मतलब है कि अंतरिक्ष स्टेशन पर बहुत कम रोगाणु या वायरस हैं। हाल ही में हुए एक अध्ययन में कहा गया है कि अंतरिक्ष स्टेशन बहुत ज्यादा साफ हो सकता है। इसमें रोगाणुओं की कमी के कारण इम्यूनिटी संबंधी समस्याएं, त्वचा संबंधी विकार और अन्य स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। आईएसएस से लौटने वाले अंतरिक्ष यात्री इस समय 45–दिवसीय रिकंडीशनिंग प्रोग्राम से गुजर रहे हैं जिसमें मांसपेशियों के क्षय को ठीक करने के लिए फिजियोथेरैपी शामिल है। वहीं नासा का कहना है कि अंतरिक्ष यात्रियों के दल पहले भी अंतरिक्ष में लंबे समय तक रह चुके हैं और धरती पर वापसी के बाद सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की परफॉर्मेंस स्थापित मानदंडों के अनुरूप होने की उम्मीद है। पुनर्वास के पहले कुछ दिनों में अंतरिक्ष यात्रियों को चक्कर आएगा क्योंकि उनके शरीर को सीधा रहने के लिए संतुलन बनाए रखने की आदत होगी। कुछ महीनों के भीतर उनकी मांसपेशियों का द्रव्यमान वापस आ जाना चाहिए, जबकि हड्डियों का घनत्व कुछ वर्षों के बाद सामान्य स्तर पर वापस आएगा। उनके शरीर में कुछ परिवर्तनों, जैसे कि दृष्टि दोष, को ठीक करना कठिन हो सकता है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि अंतरिक्ष यात्रियों पर पड़ने वाले शारीरिक प्रभावों का अध्ययन भविष्य के मानव मिशनों के लिए महत्वपूर्ण है। ध्यान रहे कि मंगल की एक तरफ की यात्रा में लगभग नौ महीने लगते हैं। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर पिछले साल जून में 8 दिन के लिए अंतरिक्ष स्टेशन पर गए थे लेकिन उनको वहां नौ महीने बिताने पड़ गए क्योंकि उनको वापस लाने वाले बोइंग स्टार लाइनर में खराबी आ गई और किसी न किसी वजह उनकी वापसी टलती गई। लंबे समय तक रहने के बावजूद, विल्मोर और विलियम्स आईएसएस पर सक्रिय रहे। उन्होंने माइक्रोग्रैविटी रिसर्च और स्टेशन के रखरखाव में अपना काम जारी रखा। ट्रंप और उनके खासमखास मस्क ने इस मामले को राजनीतिक रंग देने की कोशिश की। उन्होंने बिना किसी सबूत के दावा किया कि विल्मोर और विलियम्स को वापस लाने में देरी राजनीति से प्रेरित थी। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन पर अंतरिक्ष यात्रियों को अपने हाल पर छोड़ने का आरोप लगाया। इन आरोपों को विशेषज्ञों द्वारा तुरंत खारिज कर दिया गया, जिनमें डेनिश अंतरिक्ष यात्री एंड्रियास मोगेनसेन भी शामिल हैं, जो दो बार आईएसएस के लिए उड़ान भर चुके हैं। मोगेनसेन ने सार्वजनिक रूप से इन दावों की निंदा की और गलत सूचना फैलाने के लिए ट्रंप और मस्क की आलोचना की। फिर भी अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी में देरी हमारे समक्ष कई खड़े सवाल खड़े करती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश और नासा जैसी साधन संपन्न अंतरिक्ष एजेंसी को दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने में नौ महीने क्यों लग गए?

विलुप्त प्रजातियों के पुनर्जीवन से जुड़े नैतिक पहलू

हरविंदर

मानो यह सीधा किसी विज्ञान परिकल्पनाद्ध या यूं कहें गेम ऑफ थ्रोन्स से द्ध लिया गया दृश्य हो, जब गत मंगलवार आनुवंशिक रूप से बदलाव करने के बाद पैदा किए गए रोमुलस, रेमस और खलीसी नामक तीन भेड़िया शिशुओं को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया गया। ये कोई साधारण भेड़िये नहीं हैं। इन्हें बायोटेक कंपनी 'कोलोसल बायोसाइंसेज' द्वारा विकसित किया गया है, ये भेड़िए आधुनिक स्लेटी भेड़िए के डीएनए को बहुत पहले विलुप्त हो चुके डायर भेड़िए के प्राचीन जीन से संकरित कर पैदा किए गए हैं। यह तिकड़ी जैव–विज्ञान में आश्चर्यजनक वैज्ञानिक उपलब्धि है रू 12,000 वर्ष पहले पृथ्वी पर विचरने वाले पुरातन भेड़ियों की पहली नकल। इनके 'सृजन' से हैरानी, उत्साह और, सही तौर पर, नैतिक बहस छिड़ गई है। ऐसा करके क्या हम इतिहास की गलतियां सुधार रहे हैं या फिर कल्पनात्मक संतुष्टि के लिए प्रकृति की पटकथा फिर से लिख रहे हैं? रोमुलस, रेमस और खलीसी आनुवंशिक बदलाव के जरिए विलुप्त हो चुके जीवों को फिर जिंदा करने के व्यापक अभियान का एक नवीनतम अध्याय भर हैं। कुछ साल पहले, एलिजाबेथ एन –जो कि ब्लैक–फुटेड फेरेट का एक क्लोन था द्ध उसके जन्म ने यह कर दिखाया कि बहुत पहले मर चुके जानवरों के डीएनए का उपयोग करके, उनकी व्यवहार्य संतानें बनाई जा सकती हैं। अब, वूली मैमथ, डोडो और थायलासीन (तस्मानियाई बाघ) को फिर से जीवित करने के प्रयास चल रहे हैंद्यह सभी प्रयोग कोलोसल बायोसाइंसेज जैसी फर्में कर रही हैं, जो खुद को 'डी–एक्सटिंक्शन टेक्नोलॉजी' के अग्रदूत के रूप में पेश करती हैं। इस किस्म के विकास हमारी कल्पना को लुभा रहे हैं। एक वूली मैमथ (लंबे बालों वाला विशालकाय हाथी) को टुंड्रा अंचल में फिर से चिंघाड़ते कौन नहीं देखना चाहेगा या जंगल में भयानक भेड़िये की गूंजती चीख सुनना? लेकिन जैसे–जैसे परिकल्पना और यथार्थ के बीच लकीर मिट रही है, वैसे–वैसे हमारी आत्मसंतुष्टि भी खत्म हो रही है। सवाल है, क्या विलुप्त जानवरों को वापस लाना चाहिए? 'डी–एक्सटिंक्शन' समर्थकों का तर्क है कि यह दोहरा नैतिक उद्देश्य पूरा करता है रू सुधार और बहाली। थायलासीन और पैसेंजर कबूतर जैसी कई प्रजातियां मानवीय करतूतों– शिकार, वनों की कटाई, प्रदूषण के कारण विलुप्त हो गईं। उन्हें पुनर्जीवित करना, सदियों की पारिस्थितिकी क्षति की नैतिक भरपाई का एक तरीका है। पारिस्थितिकीय पहलू भी है। पुनर्जीवित प्रजातियां बिगड़ चुके पारिस्थितिकीय तंत्र में गायब हो चुके कई कार्यों को बहाल करने में मदद कर सकती हैं। मसलन, एक फिर से जिंदा हुआ वूली मैमथ आर्कटिक में घास मैदानों की सततता बनाए रखने और पर्माफ्रॉस्ट पिघलने की दर कम करने में सहायक हो सकता है। इसी प्रकार,सैद्धांतिक रूप से, पुरातन भेड़िये की नकलें, उन परिदृश्यों में शिकारी–शिकार अनुपात संतुलित कर सकते हैं, जहां ऐसी भूमिकाएं अब नदारद हैं। नेक इरादे हमेशा अच्छे परिणाम नहीं देते द्ध और जैव–इंजीनियरिंग के क्षेत्र में, अच्छे इरादे वाले प्रयोग भी नैतिक अस्पष्टता में फंस सकते हैं। रोमुलस, रेमस और खलीसी भयानक भेड़ियों जैसे दिखाई दे सकते हैं। लेकिन क्या वे असल में हैं? ये विलुप्त प्रजाति के नैसर्गिक जन्मे वंशज न होकर जैनेटिकली संकरित हैं द्ध अपने मूल रूप में न होकर अपने विलुप्त पूर्वजों के रूप की नकल। कोलोसल बायोसाइंस इसको 'व्यावहारिक प्रति–विलुप्ति' बता रही है, जबकि कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि लाखों वर्षों के विकासक्रम की जगह महज 20 जीनों के मेल से बना जीव नहीं ले सकता। प्रश्न उठता है रू क्या इन प्राणियों की प्रवृत्ति अपने पूर्वजों वाली होगी या फिर ये महत्वाकांक्षा और पुरानी यादों के अहसास कराने को पैदा किए

..... विविध .....

कैंसर का महंगा इलाज भी फ्री में, आयुष्मान भारत योजना में ये सभी बीमारियां होती हैं कवर

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना है ये योजना भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा योजना है, जिसका उद्देश्य गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। इस योजना के तहत लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड दिया जाता है, जिसमें गरीब परिवार को ध्5 लाख तक का निशुल्क स्वास्थ्य बीमा मिलता है। अगर आप नहीं जानते हैं तो बता दें कि इसमें कैंसर का इलाज भी हो सकता है।

हेल्थ बेनेफिट पैकेज को किया अपग्रेड

आयुष्मान योजना के अंतर्गत आने वाले हेल्थ बेनेफिट पैकेज (भ्टभ्) को समय–समय पर अपग्रेड किया गया है। वर्तमान में भ्टभ् 2.2 नाम से हेल्थ पैकेज की लिस्ट जारी की जा चुकी है, जिसमें 920 से ज्यादा पैकेज हैं। लगभग हर तरह के कैंसर के इलाज को भी हेल्थ पैकेज में शामिल किया गया है। इसके अलावा बच्चों से जुड़ी बीमारियां हों या न्यूरोलॉजी या गैस्ट्रिक से संबंधित, सब कुछ इसमें कवर है। घुटने बदलवाना हो या फिर कीमोथैरेपी की जरूरत हो आप अपना इलाज आयुष्मान कार्ड के जरिए करवा सकते हैं।

कैंसर मरीजों के लिए वरदान

कैंसर का इलाज बहुत महंगा और लंबा होता है, लेकिन आयुष्मान भारत योजना ने इसे लाखों गरीबों के लिए सुलभ बनाया है।

उपलब्ध सेवाएं

– कीमोथेरेपी
– रेडिएशन थेरेपी
– कैंसर सर्जरी
– कैंसर डायग्नोसिस
– पेन मैनेजमेंट और फॉलो–अप

5 लाख तक के मुफ्त इलाज से मरीजों और परिवारों पर आर्थिक बोझ नहीं पड़ता। टियर–2, टियर–3 शहरों में भी अब इलाज संभव है, जिससे बड़े शहरों पर दबाव कम हुआ है। पहचान, जांच, इलाज और पुनर्वास सब एक छत के नीचे होता है।

कैंसर से जंग में आयुष्मान भारत की उपलब्धियां

अब तक 50 लाख से अधिक मरीजों को कैंसर उपचार का लाभ मिल चुका है। 2023 तक कैंसर संबंधित इलाज पर लगभग घ्1,000 करोड़ से ज्यादा खर्च सरकार द्वारा किया गया। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में मोबाइल हेल्थ यूनिट्स और स्पेशल कैंसर कैंप्स भी लगाए जा रहे हैं।

सारा मेडिकल खर्च होता है कवर

आयुष्मान कार्ड भी बाकी मेडिक्लेम की तरह ही है, इसके लिए भी अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ती है। इसके अलावा अगर आप सिर्फ कुछ टेस्ट कराना चाहते हैं तो आयुष्मान कार्ड नहीं चलेगा। अगर डॉक्टर आपको भर्ती करने के लिए कहते हुए इन टेस्ट की जरूरत बताता है, तभी इनका कवर मिलेगा। इस योजना के तहत अस्पताल में भर्ती होने से 3 दिन पहले और छुट्टी मिलने के 15 दिन बाद तक के सभी मेडिकल खर्च जैसे– जांच, दवाएं आदि भी कवर होती हैं।

पात्रता कैसे जांचें?

आप अपने परिवार की पात्रता जांच सकते हैं पर या आयुष्मान मित्र से अपने नजदीकी अस्पताल में संपर्क करें। आयुष्मान भारत योजना'' सिर्फ एक बीमा योजना नहीं, बल्कि यह गरीबों के लिए उम्मीद, कैंसर मरीजों के लिए राहत, और भारत के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में बदलाव की मिसाल बन चुकी है। आने वाले वर्षों में यह योजना और भी ज्यादा लोगों तक पहुंच बनाएगी और भारत को ष्स्वस्थ भारतष् बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

सिर्फ 30 मिनट में सफेद बाल होंगे Dark Brown, घर पर तैयार करें ये नेचुरल हेयर

आजकल कम उम्र में ही बाल सफेद होना आम समस्या बन गई है। इसका कारण बदलती जीवनशैली, तनाव, खान–पान और प्रदूषण हो सकता है। लोग सफेद बालों को छिपाने के लिए केमिकल युक्त हेयर डाई का इस्तेमाल करते हैं, जो लंबे समय में बालों को और नुकसान पहुंचा सकते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप घर पर ही एक ऐसी हेयर डाई बना सकते हैं जो केवल 30 मिनट में सफेद बालों को डार्क ब्राउन रंग में बदल सकती है द्ध वो भी बिना किसी नुकसान के।

इस घरेलू हेयर डाई के फायदे

पूरी तरह से नेचुरल है। कोई साइड इफेक्ट नहीं। कम खर्चीली। बालों को बनाती है मुलायम और चमकदार। बालों की जड़ों को मजबूत करती है। नियमित उपयोग से बाल हमेशा के लिए काले रह सकते हैं

सामग्री

मेहंदी पाउडर– 2 चम्मच
आंवला पाउडर– 1 चम्मच
ब्राह्मी पाउडर– 1 चम्मच
भृंगराज पाउडर– 1 चम्मच
कॉफी पाउडर– 1 चम्मच
काली चाय (ठसंबा ज्मं)– 1 कप (गाढ़ी)
एलोवेरा जेल– 1 चम्मच
नींबू का रस– 1 चम्मच
नारियल तेल– 1 चम्मच

हेयर डाई बनाने की विधि

एक कटोरी में मेहंदी, आंवला, ब्राह्मी और भृंगराज पाउडर मिलाएं।

अब इसमें कॉफी पाउडर डालें। यह बालों को डार्क ब्राउन शेड देने में मदद करेगा।

अलग से काली चाय बनाएं और उसे ठंडा करके इस मिक्सचर में मिलाएं।

अब इसमें एलोवेरा जेल, नींबू का रस और नारियल तेल डालें।

सब चीजों को अच्छे से मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट तैयार करें।

इस पेस्ट को ढककर 30 मिनट तक छोड़ दें, ताकि सभी तत्व अच्छे से मिल जाएं।

कैसे लगाएं

बालों को धोकर हल्का सूखा लें। बालों को विभाजित करके ब्रश या हाथ से इस पेस्ट को जड़ों से सिरे तक लगाएं। पूरे बालों में पेस्ट लग जाने के बाद शावर कैप पहन लें। 30 मिनट तक ऐसे ही रखें। फिर बालों को सिर्फ पानी से धो लें। शैम्पू न करें। बाल सूखने पर आप पाएंगे कि सफेद बाल डार्क ब्राउन हो चुके हैं।

बेहतर परिणाम के लिए टिप्स

1. इस हेयर डाई को हफ्ते में एक बार जरूर लगाएं।

2. हर बार ताजा पेस्ट ही बनाएं, स्टोर न करें।

3. चाहें तो इसमें थोड़ा सा कटे हुए मेथी के दाने का पेस्ट भी मिला सकते हैं, यह बालों को पोषण देता है।

4. डाई लगाने से पहले बालों की तेल मालिश कर लें, इससे रंग और भी अच्छे से चढ़ता है।

घर पर बनी यह प्राकृतिक हेयर डाई न सिर्फ आपके सफेद बालों को डार्क ब्राउन बना देती है, बल्कि बालों को घना, मजबूत और चमकदार भी बनाती है।

पैदा होते ही जरूर करवाएं शिशु के ये टेस्ट, नहीं तो बाद में होगा पछतावा

जब कोई बच्चा जन्म लेता है, तो वह अपने साथ ढेर सारी उम्मीदें और खुशियां लाता है। लेकिन साथ ही यह भी जरूरी हो जाता है कि उसकी सेहत का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि आने वाले समय में कोई परेशानी न हो। शिशु के जन्म के तुरंत बाद कुछ जरूरी टेस्ट करवा लेना बहुत फायदेमंद होता है। ये टेस्ट यह सुनिश्चित करते हैं कि बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ है या नहीं और अगर कोई समस्या है, तो उसका समय रहते इलाज शुरू किया जा सके। चलिए, आसान भाषा में जानते हैं उन जरूरी टेस्ट्स के बारे में, जो नवजात बच्चे के जन्म के तुरंत बाद जरूर करवा लेने चाहिए।

एपीगार स्कोर टेस्ट

यह टेस्ट बच्चे के जन्म के 1 मिनट और 5 मिनट बाद किया जाता है। इसका उद्देश्य यह जानना होता है कि शिशु की तुरंत स्वास्थ्य स्थिति कैसी है। इसमें 5 चीजें देखी जाती हैं – दिल की धड़कन, सांस लेने की क्षमता ,मांसपेशियों की ताकत ,रिफ्लेक्स (प्रतिक्रिया देने की क्षमता)।

त्वचा का रंग

हर चीज को 0 से 2 तक स्कोर दिया जाता है और कुल स्कोर 10 होता है। अगर स्कोर 7 या उससे ऊपर है, तो बच्चा स्वस्थ माना जाता है।

न्यूबॉर्न स्क्रीनिंग टेस्ट

यह एक ब्लड टेस्ट होता है जो बच्चे की एड़ी (हील) से कुछ बूंद खून लेकर किया जाता है। यह टेस्ट 50 से ज्यादा जेनेटिक (अनुवांशिक) और हार्मोनल बीमारियों की जांच करता है, जैसे–

हाइपोथायरायडिज्म
फिनाइलकेटोनूरिया
सिकल सेल एनीमिया
गैलैक्टोसीमिया
हियरिंग टेस्

बच्चे के सुनने की क्षमता की जांच के लिए यह टेस्ट किया जाता है। अगर समय रहते सुनने की कमजोरी पकड़ में आ जाए, तो जल्दी इलाज और स्पीच थेरेपी शुरू की जा सकती है। यह टेस्ट बिल्कुल दर्द रहित होता है और मशीनों की मदद से किया जाता है।

जौंडिस टेस्ट ध बिलिरुबिन टेस्ट

नवजात बच्चों में पीलिया होना आम है, लेकिन कभी–कभी यह ज्यादा हो जाता है और ब्रेन को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए जन्म के कुछ घंटे बाद बिलिरुबिन लेवल की जांच जरूरी होती है। समय रहते यह पता चलने पर इलाज आसान हो जाता है।

पल्स ऑक्सीमेट्री टेस्ट

इस टेस्ट से यह देखा जाता है कि बच्चे के शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा सही है या नहीं। कम ऑक्सीजन लेवल कुछ जन्मजात हृदय रोगों का संकेत हो सकता है। इस टेस्ट में एक छोटा सा डिवाइस बच्चे की उंगली या पैर पर लगाया जाता है, जो पूरी तरह सुरक्षित होता है।

क्यों जरूरी हैं ये टेस्ट?

कुछ बीमारियों के लक्षण जन्म के समय नजर नहीं आते, लेकिन आगे चलकर समस्या बन सकते हैं। जल्दी जांच होने से इलाज समय पर शुरू किया जा सकता है। शारीरिक और मानसिक विकास में कोई रुकावट नहीं आती। बच्चों का भविष्य बेहतर और स्वस्थ बनता है।

शिशु के जन्म के तुरंत बाद ये पांच टेस्ट कराना उसके अच्छे स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य के लिए बहुत जरूरी हैं। ये छोटे–छोटे कदम बड़ी समस्याओं से बचा सकते हैं। अगर आप माता–पिता बनने जा रहे हैं या किसी को यह जानकारी देना चाहते हैं, तो इन बातों को जरूर साझा करें।

अंसल की संपत्तियों से अब वसूला जाएगा गृहकर, छह हजार संपत्तियों पर बन रहा भारी भरकम टैक्स

लखनऊ, (संवाददाता)। बुधवार को कैबिनेट से हाईटेक और इंटीग्रेटेड टाउनशिप से जुड़ी संसोधित नियमावली के पास होने के बाद अब शहीद पथ स्थित अंसल एपीआई टाउनशिप में रहने वालों के अलावा व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालकों को भी गृहकर जमा करना होगा। अंसल में मकान प्लॉट की संख्या करीब छह हजार है। यहां करीब 10 बडेध व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी हैं। पिछले वित्तीय वर्षों में अंसल की आवासीय और व्यावसायिक सम्पत्तियों पर करीब 35 करोड़ रुपये और चालू वित्तीय वर्ष का करीब 15 करोड़ रुपये गृहकर बकाया है। इस तरह यहां से करीब 50 करोड़ रुपये गृहकर मिलेगा। पैसा लेकर आवंटियों को मकान–प्लॉट न देने बाली बिल्डर कंपनी अंसल प्रॉपर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड पर एनसीएलटी ने दिवालिया घोषित करने की कार्रवाई की है। शासन और सरकार की सख्ती के बाद अब अंसल की टाउनशिप में रहने वालों को गृहकर जमा करना होगा। अभी तक अंसल कंपनी की ओर से यह कहकर विरोध किया जा रहा था कि हाईटेक नीति के तहत उसे गृहकर से छूट है, क्योंकि कॉलोनी अभी पूरी नहीं और नगर निगम को हैंडओवर नहीं है। बुधवार को कैबिनेट ने यह प्रस्ताव पास कर दिया है कि जो हाईटेक और इंटीग्रेटेड टाउनशिप हैंडओवर नहीं हैं, उनमें भी गृहकर और जलकर वसूला जा सकेगा, क्योंकि कई टाउनशिप ने समय से विकास कार्य पूरे नहीं किए हैं। नगर निगम अधिनियम की भाषा 177 ज के तहत सीमा विस्तार के बाद जिन इलाकों में पानी, मार्ग प्रकाश और सड़क की सुविधा है, वहां पर शासनादेश जारी होने के बाद तत्काल गृहकर वसूला जा सकता है। जिन नए इलाकों में ये सुविधाएं नहीं हैं, वहां पर सीमा विस्तार के पांच साल बाद ही गृहकर लगाया जा सकता है। 2019 में नगर निगम के सीमा विस्तार में अंसल एपीआई टाउनशिप भी दायरे में आ गई है। इसके बाद भी अंसल गृहकर जमा नहीं कर रहा था। यह विवाद मंडलायुक्त से लेकर शासन तक गया, मगर दबाव में मामला दब गया। अंसल एपीआई को सुशांत गोल्फ सिटी टाउनशिप विकसित करने का लाइसेंस 2005 में दिया गया था। उसे पांच साल में टाउनशिप विकसित करके निकाय को हैंडओवर करना था, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। 2023 में संशोधित लेआउट पास करते हुए अंसल को पांच अप्रैल 2028 तक का समय दिया गया है। इसी की आड़ लेकर अंसल हाउस टैक्स जमा नहीं कर रही थी। नगर निगम के जोनल अफसर अजीत राय ने बताया कि विस्तारित इलाकों में दिसंबर 2020 से गृहकर वसूल किए जाने का नियम बनाया गया है। अंसल में करीब छह हजार मकान–फ्लैट हैं। इनके अलावा लुलु मॉल, सेंट्रल होटल, डैमसन होटल, कंफर्ट इन होटल आदि बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान हैं। इन पर कई करोड़ रुपये टैक्स बकाया है। सभी पर करीब 35 करोड़ रुपये टैक्स बकाया है। अंसल में आने वाला एक मात्र मेदांता अस्पताल ही है, जो टैक्स जमा कर रहा है।

शर्ट की बटन बंद करने को कहा तो वकील ने जज से की अभद्रता...छह महीने के लिए जेल भेजा गया

लखनऊ, (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने जजों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोपी वकील अशोक पांडेय को आपराधिक अवमानना में दोषसिद्ध करते हुए छह माह के साधारण कारावास व दो हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनायी है। कोर्ट ने दोषी वकील को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट लखनऊ के समक्ष आत्मसमर्पण के लिए चार सप्ताह का समय दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने वकील को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए यह भी पूछा है कि क्यों न उसे तीन वर्ष के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट और लखनऊ पीठ में प्रैक्टिस करने से रोक दिया जाए। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी व न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की खंडपीठ ने यह आदेश अधिवक्ता अशोक पांडेय के विरुद्ध आपराधिक अवमानना मामले में पारित किया है। विज्ञापन मामले का 18 अगस्त 2021 को कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था। कोर्ट ने आदेश में कहा कि अधिवक्ता अशोक पांडेय जनहित याचिका की सुनवाई में बिना यूनिफॉर्म के पहुंचे थे। इस पर पूछे जाने पर अशोक पांडेय ने कहा कि चूंकि वर्तमान याचिका उन्होंने ही दाखिल की है, लिहाजा उन्हें यूनिफॉर्म पहनने की आवश्यकता नहीं है। न्यायालय ने उनसे अपने शर्ट की बटन बंद करने को भी कहा। इस पर अशोक पांडेय उग्र हो गए व आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग करने लगे। उन्हें कोर्ट रूम से निकालने की चेतावनी दी गई तो उन्होंने कहा कि यदि कोर्ट के पास ताकत है तो उन्हें बाहर करे। आदेश में कहा गया कि अशोक पांडेय ने सुनवाई कर रहे जजों को कहा कि वे गुंडों की तरह बर्ताव कर रहे हैं। कोर्ट ने अपने आदेश में अशोक पांडेय द्वारा पूर्व में भी किए गए आपत्तिजनक व्यवहारों का भी वर्णन किया है। पहले भी वकील के हाईकोर्ट में प्रवेश पर लग चुकी है रोक

फैसले में कहा गया है कि अशोक पांडेय को पूर्व में भी इसी हाईकोर्ट ने तीन माह कारावास व दो हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। दो साल के लिए हाईकोर्ट परिसर में घुसने पर रोक भी लगाई है। शीर्ष अदालत ने कारावास की सजा को अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया था, लेकिन कोर्ट परिसर में घुसने पर रोक को बरकरार रखा था।

बड़ा रूप ले सकती है छात्रों के वर्चस्व की जंग

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों के दो गुटों के बीच वर्चस्व को लेकर बुधवार को हुई भीषण मारपीट की चिंगारी दूसरे दिन भी सुलगती रही। एक गुट ने दूसरे गुट से मारपीट की। इससे लविवि परिसर का माहौल गर्म हो गया है। इससे पूरी आशंका है कि जिम्मेदार अगर समय रहते नहीं चेते तो छात्रों की यह लड़ाई बड़ा रूप ले सकती है। लविवि में छोटी बातों पर जानकारी करने वाली एलआईयू को छात्रों के बवाल की सूचना ही नहीं हुई। छात्रावास के छात्रों को पीटे जाने से नाराज छात्र बुधवार से ही कुलपति आवास घेरने की योजना बना रहे थे। एलआईयू को इनकी योजना और दूसरे पक्ष के गतिविधि की कोई जानकारी नहीं हो सकी। वहीं, बृहस्पतिवार की रात आईटी चौराहे पर लखनऊ विवि के छात्रों के धरने से आईटी कॉलेज की ओर जाने वाली सड़क पर लंबा जाम लग गया। हनुमान सेतु तक वाहनों की कतारें नजर आईं। छात्रों को हटाने के लिए भीड़ नियंत्रण वाहन बुलाना पड़ा। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों ने यातायात व्यवस्था सामान्य करने की कोशिश की। प्रॉक्टोरियल बोर्ड के अनुसार, बुधवार दोपहर विवि के दो छात्र और तीन लड़कियां एक अन्य छात्र को लेने हबीबुल्लाह छात्रावास गए थे। वहां इनका छात्रावास के एक छात्र के साथ झगड़ा हुआ।

बाल स्वास्थ्य में लखनऊ सहित 20 जिले अति पिछड़ें, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की रिपोर्ट में खुली पोल

लखनऊ, (संवाददाता)। बच्चों की सेहत सुधारने में लखनऊ सहित 20 जिलों की स्थिति बेहद खराब है। ये जिले बच्चों के स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े मानकों पर खरा नहीं उतर रहे हैं। यह खुलासा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की रिपोर्ट में हुआ है। अब इन जिलों में नए सिरे से निगरानी बढ़ाई जा रही है। कोशिश है कि अगले तीन से छह माह में मानकों को सुधार कर संबंधित जिलों को असेवित श्रेणी से बाहर निकाला जाए। एनएचएम की ओर से प्रदेश में बाल स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार नियोजन, मातृ कल्याण, राष्ट्रीय कार्यक्रम सहित विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। मिशन के कामकाज को लेकर किए गए सर्वे में हालात चौकाने वाले मिले हैं। अप्रैल 2024 से जनवरी 2025 तक के आंकड़ों के आधार पर बाल स्वास्थ्य की रिपोर्ट तैयार की गई। यह रिपोर्ट नवजात मृत्युदर, पांच साल की उम्र तक मृत्यु दर, बच्चों के वजन, नवजात की देखभाल, न्यू बॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट की स्थिति आदि के मानकों पर तैयार की गई। रिपोर्ट में बाल स्वास्थ्य मामले में 20 जिले अति पिछड़े पाए गए हैं। इसमें लखनऊ, प्रतापगढ़, गाजियाबाद, अलीगढ़, आजमगढ़, श्रावस्ती, शाहजहांपुर, कानपुर देहात, फर्रुखाबाद, फिरोजाबाद, सहारनपुर, बरेली, मथुरा, शामली, गौतमबुद्धनगर, कन्नौज, बुलंदशहर, उन्नाव, गोरखपुर, कानपुर नगर शामिल हैं। अब इन जिलों में विशेष तौर पर निगरानी की जाएगी ताकि अगले छह माह में यहां के मानकों को भी सुधारा जा सके। जिलेवार प्रगति रिपोर्ट के आधार पर पूरे प्रदेश के चार हिस्से में बांटा गया है। जहां 20 जिलों की स्थिति सबसे खराब पाई गई है, वहीं 20 जिलों में सुधार हुआ है और 20 जिले सुधार की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। 15 जिलों की स्थिति सबसे बेहतर है। इसमें रायबरेली, सुल्तानपुर, हाथरस, मऊ, बांदा, कुशीनगर, महोबा, इटावा, हमीरपुर, मिर्जापुर, झांसी, जौनपुर, ललितपुर, बागपत और हरदोई शामिल है। बाल स्वास्थ्य एनएचएम डॉ. सूर्यांश ओझा का कहना है कि जिन जिलों में मानकों में कुछ कमियां हैं, उन्हें सुधारा जा रहा है। हर दिन की रिपोर्ट का आकलन किया जा रहा है। स्थलीय निरीक्षण और जिले की टीम को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। लखनऊ में पूरे प्रदेश के अति गंभीर बच्चे रेफर होकर आते हैं। गौतमबुद्धनगर, कानपुर और बरेली आदि जिलों में भी आसपास के मरीज आते हैं। इस वजह से वहां के ग्राफ खराब दिख रहे हैं, जिसे सुधारने की रणनीति बनाई जा रही है। एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के उपाध्यक्ष डॉ. आशुतोष वर्मा का कहना है कि एनएचएम की ओर से बच्चों की सेहत सुधारने के लिए करोड़ों रुपये मिल रहे हैं। यह रिपोर्ट स्वास्थ्य सुधार की दिशा में उठाए जा रहे कदमों की हकीकत बयां कर रही है। लखनऊ में सामान्य अस्पताल नहीं, बल्कि चिकित्सा स्वास्थ्य और भरपूर बाल रोग विशेषज्ञ हैं। फिर भी बाल स्वास्थ्य के ग्राफ में गिरावट है तो यह चिंताजनक है। ये रिपोर्ट साबित कर रही है कि सरकारी अस्पतालों और संस्थानों में बच्चों की सेहत सुधार के लिए उठाए जा रहे कदम सिर्फ कागजों पर हैं।

संक्षिप्त समाचार

योग्य चिकित्सक के लिए भटक रहे मरीज मुंगराबादशाहपुर पीएचसी की ओपीडी हुई प्रभावित

मुंगराबादशाहपुर (जौनपुर)। शासन द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की चिकित्सा व्यवस्था को लेकर कराये गये सर्वेक्षण में बेहतरीन चिकित्सा व्यवस्था में प्रदेश की टाप टेन सूची में शामिल होने वाले मुंगराबादशाहपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की चिकित्सा व्यवस्था इन दिनों जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के कारण चरमरा गई है कि आलम यह है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर उपचार हेतु आने वाले मरीज एवं उनके तीमारदार योग्य चिकित्सक के लिए भटक रहे हैं। विभागीय सूत्रों की मानें तो प्रभारी चिकित्साधिकारी डा० अभय सिंह के नियमित रूप से मरीजों के उपचार हेतु उपलब्ध नहीं होने के कारण अधिकांश मरीज स्वास्थ्य केन्द्र पर कार्यरत चिकित्साधिकारी से उपचार कराने का बजाय निजी अस्पतालों की ओर रूख कर रहे हैं। जिसका सीधा असर स्वास्थ्य केन्द्र की ओपीडी पर पड़ रहा है। सूत्रों की मानें तो सतहरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से स्थानांतरित होकर मुंगराबादशाहपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर नियुक्त किए गए चिकित्साधिकारी डा० सी एस पाण्डेय के कार्यभार संभालने पर मरीजों की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी हो गई थी। लेकिन कुछ दिनों बाद ही उन्हें सतहरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर भेजने के कारण पीएचसी की चिकित्सा व्यवस्था चरमराने लगी। लोगों की मानें तो प्रभारी चिकित्साधिकारी डा० अभय सिंह के ओपीडी में उपलब्ध होने पर मरीजों की लगने वाली भीड़ उनके सरकारी कार्य के कारण हटते ही मरीजों का पलायन भी शुरू हो जाता है। बताया जाता है कि मुंगराबादशाहपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर कार्यरत चिकित्साधिकारी से उपचार कराने की बजाय मरीज निजी अस्पतालों में उपचार कराना ज्यादा बेहतर समझते हैं। इसके पीछे क्या कारण है यह तो जांचोपरांत ही सामने आयेगा फिलहाल स्वास्थ्य केन्द्र पर योग्य चिकित्सक की कमी के कारण ओपीडी में मरीजों की संख्या दिन प्रतिदिन लुढ़कती जा रही है। लोगों का कहना है कि मुंगराबादशाहपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर नियुक्त रहे चिकित्साधिकारी डा० सी एस पाण्डेय को यदि मुंगराबादशाहपुर पीएचसी पर नियुक्त कर दिया जाए तो न केवल ओपीडी में मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो जाएगी बल्कि मरीजों को बेहतर इलाज हेतु भटकना नहीं पड़ेगा। क्षेत्रीय प्रबुद्धजनों ने शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कर त्वरित कार्यवाही करने की मांग की है।

इंजीनियरिंग संकाय के तीन छात्रों का डीआरडीओ इंटर्नशिप के लिए चयन

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के इंजीनियरिंग संकाय के तीन प्रतिभाशाली छात्रों ने अपने उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन और तकनीकी कौशल के दम पर देश के प्रतिष्ठित रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) में इंटर्नशिप के लिए चयनित होकर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है। इन छात्रों का चयन डीआरडीओ के देहरादून स्थित इंस्ट्रूमेंट्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट इस्टैब्लिशमेंट (एक्स) प्रकोष्ठ में आठ सप्ताह की ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण हेतु हुआ है। चयनित छात्रों में कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग के तृतीय वर्ष के छात्र अंशु शुक्ला, उज्ज्वल द्विवेदी और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के तृतीय वर्ष के छात्र रोशन कुमार सिंह शामिल हैं। इस इंटर्नशिप के दौरान छात्र अत्याधुनिक अनुसंधान प्रयोगशालाओं में प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे तथा रक्षा से जुड़ी परियोजनाओं पर प्रत्यक्ष रूप से कार्य करने का अनुभव भी प्राप्त करेंगे। छात्रों की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है और इससे अन्य छात्रों को भी प्रेरणा मिलेगी। संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. रवि प्रकाश और कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा ने भी छात्रों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस चयन से यह सिद्ध होता है कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय के छात्र राष्ट्रीय स्तर पर तकनीकी उत्कृष्टता की दिशा में सशक्त रूप से अग्रसर हैं।

संक्षिप्त समाचार

डीआईओएस को नहीं दिखाई पड़ रहे अवैध कोचिंग सेंटर

मुंगराबादशाहपुर (जौनपुर)। जौनपुर जिले के जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) को मुंगराबादशाहपुर नगर में संचालित किए जा रहे बगैर मान्यता हासिल के कोचिंग सेंटर नहीं दिखाई पड़ रहे हैं। यह पढ़ने सुनने में भले ही अटपटा सा लगे लेकिन हकीकत यही है कि उन्हें मुंगराबादशाहपुर में बगैर पंजीकरण के मानक विहीन कोचिंग सेंटर नहीं दिखाई दे रहे हैं। बताया जाता है कि मुंगराबादशाहपुर नगर में लगभग एक दर्जन कोचिंग सेंटर बिना पंजीकरण के मानक विहीन होकर संचालित किए जा रहे हैं। जिसे लेकर आईजीआरएस पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। बताया जाता है कि दर्ज कराई गई शिकायत की जांच आख्या में जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) ने बताया है कि मुंगराबादशाहपुर बहुत बड़ा क्षेत्र है। जहां संचालित किए जा रहे कोचिंग सेंटरों की जांच करना संभव नहीं है। यदि शिकायत कर्ता कोचिंग सेंटरों का नाम पता और विवरण उपलब्ध कराता है तो उसकी जांच कराई जाएगी। डीआईओएस द्वारा आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज कराई गई जांच आख्या से उच्च अधिकारी संतुष्ट हैं अथवा नहीं इसे तो बखूबी वही बता सकते हैं लेकिन जांच अधिकारी डीआईओएस की जांच आख्या लोगों के गले के नीचे नहीं उतर रही। लोगों का कहना है कि अवैध रूप से संचालित किए जाने वाले कोचिंग सेंटरों से होने वाली मोटी रकम की पट्टी के कारण अवैध रूप से संचालित किए जाने वाले कोचिंग सेंटरों का नहीं दिखाई देना लाजिमी है। लोगों द्वारा दी गई जानकारी कहां तक सत्य है यह तो जांचोपरांत ही सामने आयेगा जिसे जिला प्रशासन को करना है। फिलहाल आईजीआरएस पर दर्ज कराई गई शिकायत की अपलोड की गई जांच आख्या ने जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) की भूमिका पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हनुमान जन्मोत्सव पर पांच दिवसीय श्री राम कथा आज से

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर। दौलतिया स्थित हनुमान जी की कृपा से 15वां हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर्व पर श्री किशोरी सेवा आश्रम इटहरा में पांच दिवसीय श्री राम कथा का शुभारम्भ कल 9 अप्रैल से शुरू होगा जो 13 अप्रैल तक चलेगा तथा 14 अप्रैल को संत–समागम एवं महाप्रसाद का वितरण होगा । जिसमे अन्तर्राष्ट्रीय कथा वाचिका बाल विदुषी श्री शिवांगी किशोरी जी द्वारा 9 अप्रैल से 13 अप्रैल तक प्रतिदिन शाम 5 बजे से 8 तक श्री राम कथा होगी। उक्त जानकारी श्री किशोरी सेवा आश्रम इटहरा के प्रबंधक चंद्रभानु जी महाराज ने दी। उन्होंने क्षेत्रीय प्रबुद्धजनों एवं श्रद्धालु भक्तजनों से समय से कथा स्थल पर पहुंच कर कथा श्रवण करने की अपील की है।

जिला पंचायत अध्यक्ष उपा सिंह ने ब्लाक प्रमुख पति शिव कुमार सिंह के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ से की भेंट

सुल्तानपुर। जिला पंचायत अध्यक्ष उषा सिंह ने लखनऊ में की मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शुक्रवार को लखनऊ में की जिला पंचायत अध्यक्ष उषा सिंह ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उनके साथ उनके पति एवं ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह भी मौजूद रहे।बैठक के दौरान मुख्यमंत्री से जिले के विकास कार्यों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। माना जा रहा है कि इस भेंट के माध्यम से जनपद में चल रही योजनाओं की प्रगति और भावी विकास को लेकर सुझाव भी दिए गए।

नोएडा के बाद लखनऊ–कानपुर तकनीक के उभरते केंद्र, आईटी–आईटीईएस सेक्टर में यूपी ने की बड़ी तरक्की

लखनऊ, (संवाददाता)। पिछले आठ वर्षों में आईटी–आईटीईएस सेक्टर में प्रदेश ने बड़ी तरक्की की है। यूपी का नोएडा न सिर्फ देश के बड़े आईटी हब के रूप में स्थापित है, बल्कि लखनऊ–कानपुर जैसे

शहर भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। प्रदेश में आईटी–आईटीईएस के क्षेत्र में कुल 27 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव स्वीकृत हो चुके हैं। इनमें से 5600 करोड़ के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जा चुका है। डिलॉयट की रिपोर्ट में आईटी–आईटीईएस सेक्टर में प्रदेश के योगदान का जिक्र है। रिपोर्ट के अनुसार, आईटी–आईटीईएस क्षेत्र वर्तमान में राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 3.2: का योगदान देता है। अनुमान है कि आने वाले वर्षों में यह 5: से अधिक होगा। राज्य से आईटी निर्यात 75,000 करोड़ से अधिक रहा है। वित्त वर्ष 2023–24 में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) के माध्यम से निर्यात ने 43,000 करोड़ से अधिक का योगदान दिया। पिछले कुछ वर्षों में नोएडा ने खुद को एक प्रमुख प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में स्थापित किया है। नोएडा में माइक्रोसॉफ्ट का अत्याधुनिक रिसर्च सेंटर इसका प्रमाण है। यहां 15 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। 15 एकड़ में फैला यह कैंपस अमेरिका के बाहर माइक्रोसॉफ्ट का सबसे बड़ा कैंपस है। वहीं, नैसकॉम ने लखनऊ और कानपुर को उभरते प्रौद्योगिकी केंद्रों के रूप में मान्यता दी है। लखनऊ में 258 एकड़ में फैली आईटी सिटी का विकास हो रहा है। आईबीएम भी लखनऊ में अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर लैब खोलने जा रही है, जो एआई समेत सॉफ्टवेयर और आईटी सॉल्यूशंस के क्षेत्र में काम कर न सिर्फ देश–प्रदेश, बल्कि वैश्विक पटल पर भी ग्लोबल लीडर के तौर पर स्थापित करेगा। राज्य में आईटी–आईटीईएस के क्षेत्र के विकास की गति को और तेज करने के लिए योगी सरकार ने कई लक्षित नीतिगत उपाय किए हैं। प्रदेश में आईटी सेक्टर को उद्योग का दर्जा दिया गया है, जिसमें आईटी इकाइयों को कम बिजली दरों और औद्योगिक भूमि बैंकों तक पहुंच का लाभ मिल रहा है। राज्य स्टार्टअप ईकोसिस्टम भी चला रहा है, जिसमें अब 14 हजार से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप शामिल हैं। योगी सरकार ने मेडटेक, ब्लॉकचेन, टेलीकॉम, एआई, ड्रोन व एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में 70 इनक्यूबेटर व सात उत्कृष्टता केंद्रों को मान्यता दी है।

डेटिंग एप पर युवक को दोस्ती करना पड़ा भारी, उसके ही घर पर बंधक बनाकर लूटे तीन लाख रुपये

लखनऊ, (संवाददाता)। गाजीपुर के रविंद्रपल्ली निवासी ट्यूशन टीचर को डेटिंग एप पर दोस्ती करना महंगा पड़ गया। दोस्ती के बाद युवक मिलने ट्यूशन टीचर के घर पहुंचा। उसने अपने साथी के साथ मिलकर उनको बंधक बना लिया और तीन लाख रुपये लूट ले गया। पीड़ित ने गाजीपुर थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस सर्विलांस की मदद से आरोपियों की तलाश में जुटी है। एसीपी गाजीपुर ए. विक्रम सिंह ने बताया कि 53 वर्षीय पीड़ित अकेले रहते हैं। पहले वह प्राइवेट कंपनी में इंजीनियर थे। बाद में नौकरी छोड़कर ट्यूशन पढ़ाने लगे। चार माह पहले उनके पिता की मौत हो गई थी। अकेलापन दूर करने के लिए उन्होंने ग्रिंडर एप पर प्रोफाइल बनाई। वहां उनकी एक युवक से दोस्ती हो गई। दोनों में चौटिंग होने लगी। पीड़ित के अनुसार कई दिनों की बातचीत के बाद बुधवार को आरोपी युवक से मुलाकात की बात तय हुई। दोपहर करीब 1:30 बजे आरोपी युवक मिलने पहुंचा। कुछ देर बाद आरोपी ने अपने साथी को बुला लिया। दोनों ने बात की और मकान का जायजा लिया। इसके बाद दोनों ने पीड़ित को पकड़ लिया। विरोध पर उनके साथ मारपीट की और उनका मुंह व हाथ बांध दिए। अलमारी में रखे तीन लाख रुपये व पर्स लूटकर भाग गए। सर्विलांस से मिला नंबर पीड़ित ने काफी मशक्कत के बाद खुद को बंधन मुक्त किया और पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना दी। मौके पर पहुंची गाजीपुर पुलिस ने छानबीन कर केस दर्ज कर लिया। एसीपी गाजीपुर का कहना है कि मुख्य आरोपी का नंबर मिला है। सर्विलांस से टीम उसके बारे में पता लगा रही है। कुछ जगह दबिश भी दी गई पर सफलता नहीं मिली। ग्रिंडर एलजीबीटीक्यू समुदाय के लिए सोशल नेटवर्किंग एप है। यह एप लोगों को आसपास मिलने और बातचीत करने में मदद करता है। इस एप का इस्तेमाल खासकर समलैंगिक और ट्रांसजेंडर लोग करते हैं। इसका इस्तेमाल मुफ्त है।

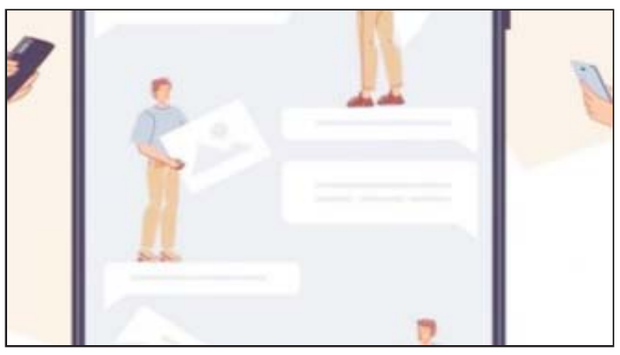

भोजपुरी अभिनेत्री अंजना सिंह को बड़की दीदी के लिए बेस्ट एक्ट्रेस अवार्ड, कई अन्य कलाकार भी हुए सम्मानित

लखनऊ, (संवाददाता)। दिल्ली प्रेस की पत्रिका सरस सलिल की ओर से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में छठे सरस सलिल भोजपुरी सिने अवॉर्ड शो का आयोजन किया गया। अभिनेत्री अंजना सिंह को फिल्म श्श्बड़की दीदीश्श के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। दिवंगत कलाकार विजय खरे को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया। अरविंद अकेला कल्लू को फिल्म श्श्कसमे वादेश्श के लिए बेस्ट पॉपुलर एक्टर का पुरस्कार मिला। मौके पर दिल्ली प्रेस के संपादक और प्रकाशक परेश नाथ ने दिल्ली प्रेस के इतिहास पर प्रकाश डाला। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने विजेता कलाकारों को बधाई दी। कार्यक्रम में कृषि राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिह, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष संदीप बंसल, अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के अध्यक्ष प्रभुनाथ राय, इंडो–अमेरिकन चौंबर ऑफ कॉमर्स के चेयरमैन मुकेश बहादुर सिंह, एमएलसी पवन सिंह चौहान व डॉ. नीरज बोरा, सूचना विभाग से राजेश राय, श्वेता सिंह, आनंद शेखर सिंह, सुरेंद्र सिंह राजपूत, अनीता सहगल, पंकज त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

अफ्रीकी महिला तस्कर के पेट से निकले 30 ड्रग कैप्सूल, तीन दिन में निकाला जा सका मादक पदार्थ

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट पर ड्रग तस्करी में पिछले दिनों पकड़ी गई अफ्रीकी महिला तस्कर अनीता नाबाफू वामुकूता के मल से मादक पदार्थ से भरे 30 कैप्सूल बरामद हुए हैं। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की टीम ने शनिवार को अफ्रीकी महिला को गिरफ्तार किया था। उसने बरामद कैप्सूल निगल रखे थे, जिन्हें तीन दिनों की चिकित्सकीय निगरानी के बाद केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में मल के जरिये बाहर निकाला गया। कैप्सूल से करीब 500 ग्राम मेथाक्वालोन मिला है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 25 लाख रुपये बताई जा रही है। डीआरआई को दुबई से लखनऊ आने वाली फ्लाइट संख्या एफजेड443 को लेकर खुफिया सूचना मिली थी। फ्लाइट की जांच के दौरान एक अफ्रीकी महिला यात्री पर संदेह हुआ। इमिग्रेशन विभाग के सहयोग से महिला से पूछताछ की गई, जिसमें उसने कबूला कि उसने नशीले पदार्थ निगल रखे हैं। महिला को तुरंत श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल लाया गया, जहां एक्स–रे जांच में पेट में कैप्सूल की पुष्टि हुई। इसके बाद उसे केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया, जहां सीटी स्कैन जांच में यह भी सामने आया कि महिला ने अपने अंतर्वस्त्र में चार और कैप्सूल छिपा रखे थे। टीम ने इन चारों कैप्सूल को भी जब्त कर लिया। केजीएमयू में पांच से आठ अप्रैल तक महिला को विशेष निगरानी में रखा गया। डॉक्टरों के अनुसार, महिला ने जानबूझकर भोजन से परहेज किया था, ताकि पेट में मौजूद कैप्सूल बिना किसी रुकावट के बाहर निकल सके।

पीडित मामा के खिलाफ फर्जी तरीके से फसाने को लेकर स्थानीय थाने में समीक्षा अधिकारी ने दिया शिकायत पत्र

अयोध्या।पुलिस प्रशासन की आंखों में धूल झोंक कर साल्वर गिरोह का सरगना समीक्षा अधिकारी बन गया।आरोप के मुताबिक दहेज की मांग पूर्ण होने पर पत्नी को भी मारपीट कर घर से निकाल दिया।बेटी दामाद की चिंता ने पिता की जान ले ली।दहेज उत्पीड़न के दर्ज मुकदमे में कार्यवाही करने को लेकर पैरवी कर रहे मामा को भी सबक सिखाने के लिए दबंग समीक्षा अधिकारी उसे फर्जी मुकदमे मे फसाने की साजिश करते हुए स्थानीय थाना हैदरगंज सहित पुलिस अधिकारियों को शिकायती पत्र दिया।इससे भयभीत पीडित मामा भांजी भांजा सहित परिवार की सुरक्षा के साथ फर्जी बने समीक्षा अधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही कर की जेल भेजने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश ,मुख्य सचिव सहित पुलिस प्रशासन के आला अधिकारियों से पीडित ने किया है।थाना क्षेत्र हैदरगंज निवासी पीडित विनोद कुमार कसौधन ने बताया कि उसकी भांजी दिव्या पुत्री फूलचंद जलालुद्दीनपुर थाना महाराजगंज निवासिनी की शादी मूलचंद्र गुप्ता पुत्र शत्रुघ्न गुप्ता हनुमंत नगर थाना पूरा कलंदर के साथ वर्ष 2022 में हुई थी।उन्होंने समीक्षा अधिकारी के रूप में एक अच्छा इंसान जानकर यह शादी भरपूर दान दहेज देकर किया था।परंतु उसका असली चेहरा नौ माह बाद सामने आ गया।जब उसने मेरी भांजी को दहेज के लिए उत्पीड़न करते हुए मारपीट कर घर से भगा दिया।और भांजी ने उसके विरुद्ध पूराकलंदर थाने मे मारपीट दहेज जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा अपराध संख्या 589 ६ 2022 दर्ज कराया।इसी के साथ यह भी पता चला कि यह साल्वर गिरोह का सरगना है।जो दूसरो के स्थान पर परीक्षा देता है।इसे लेकर इसके विरुद्ध 2018 में हरदोई थाना कोतवाली में मुकदमा अपराध संख्या 764 ६ 2018 419, , 420 सहित कई गंभीर ६ ाराओं में मुकदमा दर्ज है।ऐसी गंभीर दर्ज मुकदमा के बावजूद समीक्षा अधिकारी बनकर बैठे दामाद के बारे में जानकारी होते ही चिंतित उसके ससुर फूलचंद मेरे जीजा की मृत्यु हो गई।उनकी मृत्यु के बाद भांजी और भांजा गौरव को लेकर मुकदमा की पैरवी करने लगा।तो मुझे भी जान से मारने की धमकी देते हुए फर्जी मुकदमे में फसाने की साजिश करते हुए कई शिकायती पत्र थाने से लेकर अधिकारियों को उसने दिया। इससे भयभीत होकर भांजा भांजी को लेकर मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन सहित पुलिस प्रशासन के आला अधिकारियों को शिकायती पत्र देकर यह मांग किया है।कि ऐसे अपराधी प्रवृत्ति के लोग कैसे समीक्षा अधि ाकारी बने हैं।उनके विरुद्ध कार्यवाही करते हुए इन्हें जेल भेजा जाए और हम लोगों की जान माल की सुरक्षा की जाए जिससे भविष्य मे कोई अप्रिय घटना न घट सके।

अयोध्या से प्रयागराज के लिए बनेगा एक्सप्रेस-वे, परिक्रमा स्थल से प्रतापगढ़ तक होगा निर्माण

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। अयोध्या–प्रयागराज हाईवे की बाईं तरफ राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग फोरलेन की जगह अब एक्सप्रेस–वे का निर्माण कराने जा रहा है।इस 90 किलोमीटर के एक्सप्रेस– के निर्माण में कुल 5000 करोड़ रुपए की धनराशि खर्च होगी। इसमें एक्सप्रेस–वे निर्माण के साथ किसानों के भूमि अधिग्रहण के मुआवजे को भी शामिल किया गया है।निर्माण कार्य की शुरुआत से तीन साल में परियोजना को पूरा किया जाना है।राष्ट्रीय राजमार्ग एवं सड़क परिवहन मंत्रालय ने अयोध या–प्रयागराज हाईवे को अब फोरलेन में तब्दील करने के बजाय नए सिरे एक्सप्रेस–वे का निर्माण कराने की योजना बनाई है। योजना के तहत अब तक पहले हाईवे को फोरलेन में तब्दील कराया जाना था। लेकिन उसमें अन्य फोरलेन की तरह से छोटे व ग्रामीण इलाके के वाहनों की धमाचौकड़ी मचने से यात्रा में बड़ी बाधा आड़े आ रही थी और लम्बी दूरी के वाहनों के यात्रा के दौरान हर समय खतरे का भय बना रहता है। इसको देखते हुए मंत्रालय ने अपने पुराने फैसले में परिवर्तन कर दिया।अब अयोध्या–प्रयागराज हाईवे के बांए तरफ से नए सिरे से किसानों की भूमि का अधिगृहण कर एक्सप्रेस–वे निर्माण कराने की योजना बनाई है। योजना का डीपीआर बनाने की जिम्मेदारी टीएएसपीएल दिल्ली को दी गई है। जिसमें नए एक्सप्रेस–वे का निर्माण प्रतापगढ़ जिले के गोंड़े गांव सोनावां से अयोध या के परिक्रमा स्थल भरत कुण्ड के पास से 90 किलोमीटर की दूरी में कराया जाना है।परियोजना के डीपीआर के अनुसार एक्सप्रेस–वे की चौड़ाई 38 मीटर निर्धारित की गई है। इसमें 15–15 मीटर कर मुख्य एक्सप्रेस–वे का प्रत्येक तरफ का कैरिज–वे, दो मीटर का फोल्डर, सर्विस रोड को शामिल किया गया है। एक्सप्रेस–वे के दोनों तरफ प्रतिबंधित किया जाएगा। बीच से न मवेशी और न ही कोई वाहन प्रवेश कर पाएगा।राष्ट्रीय राजमार्ग के मानक के मानक के अनुसार दो फेज में एक्सप्रेस–वे का निर्माण कराया जाएगा। जिसमें प्रत्येक फेज की लम्बाई 45–45 मीटर निर्धारित की गई है। प्रथम फेज में 84 कोसी परिक्रमा स्थल अयोध्या भरत कुण्ड परिक्रमा मार्ग से कटका तक 45 किमी की दूरी में बनेगा। दूसरा फेज कटका से गोंडेध गांव सोनावां तक 45 किमी की दूरी में बनेगा। परियोजना की धनराशि में 60 फीसदी मुआवजा व 40 फीसदी धनराशि मुआवजा में खर्च होगी।

एअर फोर्स व यूपीडा से लेनी पड़ेगी एनओसीरू राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग को एक्सप्रेस–वे निर्माण के लिए एअर फोर्स व यूपीडा से अनापत्ति प्रमाण पत्र भी लेना पड़ेगा। क्योंकि पूर्वांचल एक्सप्रेस की एअर स्टिप नए एक्सप्रेस–वे निर्माण में आंडे आ रही है।इसके साथ पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे का क्रासिंग भी नए एक्सप्रेस–वे निर्माण में बाधित हो रहा है।एक्सप्रेस–वे निर्माण के दौरान आधा दर्जन आरओबी व सेतु का निर्माण होगा।जिसमें लखनऊ–वाराणसी रेल खण्ड पर एक ओवरब्रिज और पूर्वा चल एक्सप्रेस–वे क्रासिंग पर 18 मीटर ऊंचाई पर छह लेन का फ्लाईओवर, गोमती नदी पर छह लेन, अन्य सड़कों के क्रासिंग पर सेतु समेत कुल आधा दर्जन ब्रिजों के निर्माण को शामिल किया गया है। बाइक व अन्य ग्रामीण वाहनों के प्रवेश को एक्सप्रेस–वे पर वर्जित किया गया है।राष्ट्रीय राजमार्ग खण्ड, सुलतानपुर के अधिशासी अभियंता, विकास कुमार सिंह ने कहा कि एक्सप्रेस–वे का निर्माण यूपीडा और एयरफोर्स से एनओसी आने और पांच हजार करोड़ की परियोजना के अनुमोदन के बाद शुरू कराया जाएगा।प्रत्येक फेज को दो–दो वर्ष का समय लगेगा। अगर एक साथ अनुमोदन हुआ तो दोनों फेज दो वर्ष में नहीं तो तीन वर्ष का भी समय लग सकता है।

पारिवारिक विवाद मे युवक ने उतारा पत्नी सहित पुत्र को मौत के घाट

(डॉक्टर अजय कुमार तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। शुक्रवार की रात कोतवाली नगर क्षेत्र में कबाड़ बेचने का काम कर रहे युवक शाहजान खंडकर ने अपनी पत्नी नाशिया बेगम गडासे से प्रहार कर तथा 3 वर्षीय पुत्र साहादकर खुन्दकर की गला घोट कर हत्या कर दिया।हत्या करने के बाद उक्त आरोपी घटनास्थल से फरार हो गया।इस हृदय विदारक घटना की भनक रात भर किसी लोगों को नहीं लगी।सुबह होने पर इस घटना की सूचना आरोपी के बड़े पुत्र हारिज दीवान ने स्थानीय लोगों को दिया।घटना की सूचना पाते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई।स्थानीय लोगों की माने तो आरोपी शाहजान खंडकर मूल खुदरो फलादी थाना सरथे बारी जिला बरपेटा असम प्रांत का मूल निवासी है।जो कोतवाली नगर क्षेत्र के पुलिस चौकी देवकाली मे शिवपुरी कालोनी मे पिछले 10 वर्ष से रहकर कबाड़ का काम कर अपना जीवन यापन चलाता था। पुलिस की माने तो आरोपी अपने लड़के के साथ आए दिन काम करने को लेकर मारता पीटता था।जिसका विरोध आरोपी की पत्नी नासिया बेगम करती थी।इसलिए संबंध में आरोपी के बड़े पुत्र हारिज दीवान ने बताया कि हमेशा की तरह शुक्रवार को रात 9रू30 बजे उसके माता–पिता मे उसके खाने को लेकर मामूली कहां सुनी हुई थी। मामला को बढ़ते देखकर उसकी माता ने उसे किसी अनहोनी घटना को लेकर दूर चले जाने को कहा।जिसके चलते वह अपने घर से वहीं पर थोड़ी दूर स्थित दूसरे के घर सोने चला गया। सुबह उठने पर उसने देखा उसके पिता ने उसकी माता तथा उसके तीन वर्षीय भाई की हत्या कर मौके से फरार हो चुका था।जानकारी होने पर एसएसपी राज करन नैय्यर, एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह, सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी कुमार पांडे, देवकाली चौकी प्रभारी यशवंत सिंह के अलावा फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट टीम, फॉरेंसिक टीम पहुंच कर छानबीन में जुट गई।इस मामले में एसएसपी राज करन नैय्यर ने बताया कि प्रथम दृष्टया आरोपी नशे में होने के चलते इस हृदय विदारक घटना को अंजाम दिया है। उन्होंने बताया कि इसका परिवार पिछले 8 महीना से यहां पर रहता था तथा कूड़ा बीनने का काम करता था। आरोपी हमेशा

अपने पुत्र से कबाड़ का काम करने के लिए दबाव डालता था और आए दिन मारपीट भी करता था। बताया कि वारदात के दिन उसने सबसे पहले अपनी पत्नी को मारपीट के दौरान गड़ासे से उसके सिर पर प्रहार कर उसे मौत के घाट उतार दिया तथा थोड़ी देर में अपने 3 वर्षीय पुत्र की गला घोट कर हत्या कर मौके से फरार हो गया। छानबीन कट जा रही है साथ ही साथ आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए दो टीमों का गठन किया गया है आरोपी शीघ्र ही गिरफ्त में होगा।

'थाना समाधान दिवस में थाना प्रभारी ने सुनी जन शिकायतें'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली(हरदोई)' शनिवार को थाना परिसर में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। समाधान दिवस में थाना प्रभारी सोमपाल गंगवार ने जन शिकायतों को बड़ी गंभीरता से सुना। इस दौरान आईं कुछ शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण गुण–दोष के आधार पर कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित को अग्रेषित कर जल्द से जल्द निस्तारण करने का निर्देश दिया गया।

इस दौरान थानाध्यक्ष सोमपाल गंगवार ने आए हुए फरियादियों की समस्याओं को सुना और कुछ शिकायतों का मौके पर ही गुण–दोष के आधार पर निस्तारण कर दिया। उन्होंने राजस्व कर्मियों को निर्देशित किया कि जहां कहीं भी भूमि विवाद हों, वहां पुलिसकर्मी राजस्व टीम के साथ संयुक्त रूप से भूमि विवादों का प्रमुखता से निस्तारण करें। निर्देशित किया कि भूमि विवाद के मामलों में पुलिसकर्मी राजस्व टीम का पूरा सहयोग करें और साथ जाकर भूमि विवादों का निपटारा कराएं ताकि भूमि विवाद आपराधिक घटनाओं में परिवर्तित न हों। पुलिसकर्मियों को यह भी निर्देश दिया किया कि जहां कहीं भी शांति भंग की आशंका हो वहां दोनों पक्ष के लोगों पर निरोधात्मक कार्यवाही भी करें। इस मौके पर कस्बा चौकी इंचार्ज उमेश तिवारी, वरिष्ठ उपनिरीक्षक योगेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक विशाल तिवारी,महिला उपनिरीक्षक आकांक्षा सिंह, उपनिरीक्षक सलीमुद्दीन खां, कानूनगो विजय कुमार मौर्या, लेखपाल अभिषेक द्विवेदी, गौरव कुमार यादव सहित काफी संख्या में फरियादी मौजूद रहे।

खेलोगे कूदोगे तो होंगे खराब पढोगे लिखोगे होगे नबाब अब वो जमाना बदल गया है अब खेलने पर भी नबाब बनेंगे और पढ़ने पर भी नबाब बनेंगे – रविन्द्र जायसवाल

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,12 अप्रैल । यूपी स्टेट राइफल एसोसिएशन के तत्वाधान में 12 अप्रैल से 15 अप्रैल तक एयर पिस्टलध्एयर राइफल शूटिंग चौंपियनशिप का आयोजन जौनपुर में किया गया। इस चौंपियनशिप का उद्घाटन शनिवार को उत्तर प्रदेश सरकार के स्टाम्प एवं न्यायलय शुल्क मंत्री रवींद्र जायसवाल ने किया । अतिथियों का स्वागत यूपी स्टेट राइफल एसोसिएशन के अध्यक्ष पूर्व सांसद श्याम सिंह यादव ने किया । बता दें की इस ओपन शूटिंग कॉम्पिटिशन में देशभर से अलग–अलग राज्यों से यहां खिलाड़ी हिस्सा लेने आए है । शूटिंग चौंपियनशिप में निशानेबाजों की ओर से दमदार खेल देखने को मिल रहा है । राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता का उद्घाटन करने पहुंचे राज्य मंत्री स्टांप न्यायालय शुल्क पंजीयन विभाग रविन्द्र जयसवाल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आज जौनपुर में उत्तर प्रदेश प्री चौंपियनशिप के चार दिवसीय कार्यक्रम उद्घाटन का अवसर मिला है स्टेट के तरफ से यह कार्यक्रम किया जा रहा है जौनपुर में पूरे स्टेट से खिलाड़ियों का संगम हो रहा है। मेरा मानना है की पढ़ाई के साथ–साथ खेल में भी देश में विदेश में भारत का नाम रोशन करने का प्रयास किया जा रहा है आज तमाम ऐसे खिलाड़ी हैं जो ओलंपिक में मेडल लेकर आए हैं उस मेडल के लिए जिले स्तर पर प्रदेश स्तर पर उनका चयन करना उनकी ट्रैनिंग कारना का काम ये संघटन जो अभियान चलाया है इससे खिलाड़ियों के नर्सरी का विकाश होगा ।जौनपुर में पूरे स्टेट के खिलाडी भाग लेरहे है। देश के प्रधानमंत्री मोदी जी और मुख्यमंत्री योगी जी खिलाड़ियों के लिए कई स्कीम लेकर आये है खिलाड़ी एक मेडल लेकर आ रहे तो सरकार उन्हें ब्च रैंक को नौकरी और करोड़ो रूपये की सौगत दे रहे है । एक समय था जब लोग कहते थे खेलोगे कूदोगे तो होंगे खराब पढोगे लिखोगे होगे नबाब अब वो जमाना बदल गया है अब खेलने पर भी नबाब बनेंगे और पढ़ने पर भी नबाब बनेंगे। इससे पूर्व उन्होंने फीता काट कर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।साथ ही उन्होंने रायफल से निशाना भी साधा।

'चौत्र मास की पूर्णिमा तिथि को बड़ी धूमधाम से मनाई गई हनुमान जयंती'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' पाली कस्बे में हनुमान जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। इसी क्रम में शनिवार को पाली थाना परिसर में हनुमान जयंती बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। थाना प्रभारी सोमपाल गंगवार ने मंदिर के पुजारी निर्दोष कुमार मिश्रा के साथ पूजन अर्चन कर सर्वप्रथम हनुमान जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर आरती उतारी और लड्डुओं का भोग लगाकर प्रार्थना की गई। वहाँ मौजूद समस्त पुलिस स्टॉफ सहित सभी लोगों ने हनुमान जी के

चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। तत्पश्चात वहां मौजूद सभी हनुमान भक्तों ने बजरंग बली के जयकारों से थाना परिसर को गुंजायमान कर दिया। इसी के साथ थाना परिसर में कन्या भोज का आयोजन किया गया। कन्या भोज में सैकड़ों कन्याओं सहित काफी संख्या में लोगों ने भंडारे का परसाद प्राप्त कर बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त किया। भंडारे का क्रम सुबह से दोपहर तक चलता रहा। इस अवसर पर वरिष्ठ उपनिरीक्षक योगेन्द्र सिंह,कस्बा इंचार्ज उमेश तिवारी,उपनिरीक्षक रामौतार, उपनिरीक्षक विपिन कुमार मिश्रा, उपनिरीक्षक सलीमुद्दीन खां, महिला उपनिरीक्षक आकांक्षा सिंह,कांस्टेबल अंबुज तिवारी,महिला कांस्टेबल कीर्ति चौहान, सहित समस्त पुलिस स्टॉफ के अतिरिक्त काफी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे।

डेढ़ करोड़ के गबन में बीडीओ समेत 18 पर प्राथमिकी का आदेश

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर महाराजगंज थाना क्षेत्र निवासी रामाशंकर यादव के प्रार्थना पत्र पर डेढ़ करोड़ से अधिक गबन के मामले में सीजेएम शिल्पी चतुर्वेदी ने तत्कालीन खंड विकास अधिकारी समेत 18 आरोपियों के खिलाफ ६ ोखाधड़ी जालसाजी व गबन की ६ ाराओं में मुकदमा दर्ज करने का आदेश थानाध्यक्ष महाराजगंज को दिया। रामाशंकर यादव निवासी ग्राम सेनपुर कला (चारो) महाराजगंज ने अधिवक्ता समर बहादुर यादव के माध्यम से कोर्ट में तत्कालीन खंड विकास अधिकारी महाराजगंज,ग्राम प्रधान शिवनाथ यादव,सेक्रेटरी संतोष दुबे,जेई धर्मराज समेत 18 के खिलाफ प्रार्थना पत्र दिया कि शिवनाथ यादव ग्राम चारो के 2015 में प्रधान चुने गए। इनका कार्य उनके लड़के बृजेश यादव देखते हैं। शिवनाथ अपने प्रधानी के 5 वर्षों के कार्यकाल में ग्राम सभा में सड़क,नाली,खड़ंजा, शौचालय,हैंडपंप मरम्मत इत्यादि का जो भी सरकारी पैसा आया उसे अन्य आरोपितों को अपनी साजिश में लेकर कूटरचित बिल वाउचर तैयार कर अधिकारियों से फर्जी सत्यापन कराकर एक करोड़ 58 लाख से अधिक रुपए का धोखाधड़ी के माध्यम से गबन किया।सड़क,नाली इत्यादि का निर्माण कार्य दिखाकर पैसा निकाला गया जबकि कोई काम नहीं कराया गया।पूर्व के ग्राम प्रधान के काम को दोबारा दिखाकर पैसे का गबन किया गया।दूसरे गांव के रामसर यादव के खाते में आवास योजना का पैसा भेजा गया।इसके अलावा अपने रिश्तेदार के खाते में पैसा भेज कर गबन किया गया।बिना कोई काम कराए मनरेगा मजदूरी का पैसा अपने रिश्तेदार नरसिंह यादव के खाते में भेजा गया।इस संबंध में जिलाधिकारी को शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया जिस पर जिला गन्ना अधिकारी द्वारा जांच बैठाई गई। जिलाधिकारी व उच्च न्यायालय के आदेश पर 36 बिंदुओं पर जांच की गई।जांच में गबन सही पाया गया। बिना कोई काम कराए फर्जी कूटरचित तरीके से सरकारी धन का भुगतान करके गबन कर बंदरबांट किया गया है जो गंभीर अपराध है।थाना, एसपी को सूचना देने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई।कोर्ट ने प्रथम दृष्टया गंभीर मामला पाते हुए थानाध्यक्ष महाराजगंज को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया।

योगा फेडरेशन जौनपुर के कोर कमेटी की बैठक संपन्न

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर योगा फेडरेशन जौनपुर के कोर कमेटी की बैठक जिलाध यक्ष रजनी साहू जी की अध्यक्षता में शहर स्थिति एक होटल में सम्पन्न हुई जिसमे जुलाई माह में होने वाले तृतीय जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता पर विस्तृत से चर्चा हुई! बैठक में अध्यक्ष रजनी साहू जी ने बताया की पुरे प्रदेश में योगासन प्रतियोगिता योगा फेडरेशन द्वारा कराया जाता है उसी क्रम में जनपद जौनपुर में तीसरी बार यह प्रतियोगिता 20 जुलाई दिन रविवार को शाश्वत वाटिका रूहट्टा में आयोजित की जायेगी! पिछली बार 243 बच्चों ने प्रतिभाग लिए थे इस बार 400 बच्चों का लक्ष्य लेकर सभी विद्यालय से सम्पर्क करके प्रतियोगिता में प्रतिभाग के लिए प्रेरित किया जायेगा! इसमें 8 वर्ष से लेकर 25 वर्ष तक के बालक और बालिकाएं प्रतिभाग लें सकते है जिसको सब जूनियर ग्रुप ।. ठ. ६ और जूनियर ग्रुप ।. व ठ. तथा प्रोफेनल ग्रुप में कराया जायेगा! सभी ग्रुप के विजेता, उपविजेता का निर्णय के लिए पिछले वर्ष की तरह इस बार भी राष्ट्रीय स्तर के 5 रेफरी को बुलाया जायेगा, सभी प्रतिभागी को पुरस्कृत किया जायेगा

, यह योगासन का एक बड़ा आयोजन है जिसमे सभी के सहयोग की अपेक्षा है!महासचिव डॉली गुप्ता ने संगठन का विस्तार करते हुए इंद्रा जायसवाल को आयोजक और अजय गुप्ता, रामजी साहू, तनुष्का साहू, आकाश सिंह, अनुष्का साहू को नये सदस्य के रूप में संगठन से जोड़ा! सचिव मधु गुप्ता ने मुख्य अतिथि, विशिष्ठ अतिथि के लिए कई नामों पर चर्चा की और उन सभी से सहमति लेने के लिए अध यक्ष एवं महासचिव को जिम्मेदारी दी गयी! कोषाध्यक्ष रचित साहू ने कहा की पिछली बार आप सभी के सहयोग से भव्य प्रतियोगिता का सफल आयोजन हुआ उसके लिए आप सभी को बधाई!

उक्त अवसर पर सहकार भारती के जिलाध्यक्ष कुंवर प्रदीप सिंह रिंकू उपस्थिति रहे!

बैठक के अंत में सचिव मधु गुप्ता ने सबका आभार व्यक्त करते हुए समापन किया!

पीयू में प्लेसमेंट ब्रोशर का विमोचन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा सत्र 2025 के लिए तैयार प्लेसमेंट ब्रोशर का विमोचन शुक्रवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का यह ब्रोशर देशभर के प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट हाउसों और कंपनियों तक पहुंचाया जाएगा, ताकि विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं को उच्चस्तरीय रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें। प्रो. वंदना सिंह ने ब्रोशर की सराहना करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, नवाचार, अनुसंध ान और विद्यार्थियों की प्रतिभा को उजागर करने वाला एक सशक्त माध यम है। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में छात्र–छात्राओं को तकनीकी दक्षता के साथ–साथ संचार कौशल और व्यावसायिक आचार संहिता की समझ होनी चाहिए। इस दिशा में विश्वविद्यालय का प्लेसमेंट प्रकोष्ठ निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर आईक्यूएसी के समन्वयक प्रो. गिरिधर मिश्र ने विश्वविद्यालय की गुणवत्ता उन्नयन और उद्योग जगत से बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। केंद्रीय ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के समन्वयक प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने ब्रोशर की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों, इंफ्रास्ट्रक्चर, उद्योगों से साझेदारी और विद्यार्थियों की योग्यता का समावेश किया गया है। कार्यक्रम में डॉ. नितेश जायसवाल एवं डॉ. विशाल यादव, उप समन्वयक भी उपस्थित रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।